MUMBAI TARANG TM

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
8401376537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-30 ❖ मुंबई ❖ रविवार 18 से 24 जुलाई 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

तेलतुंबडे के खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया सही'

पेज 5

कोरोना से जंग जीतने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण जरुरी है -पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम

पेज 7

गायक जावेद अली और साधना वर्मा द्वारा गाया गया टी-सीरीज़ का नया गाना "यारा"

पेज 8

लीजेंड दादासाहेब फालके अवॉर्ड 2021 में चंद्रशेखर पुसालकर, सुमन तलवार (साउथ), राहुल शेवाळे, अनु मलिक, अनूप जलोटा, मुकेश ऋषि जैसी हस्तिया मौजूद

मुंबई में आफत की बारिश ने ली 18 की जान

चेंबूर में लैंडस्लाइड के बाद गिरी दीवार, विक्रोली में ढहा मकान

- चेंबूर इलाके में मूसलाधार बारिश के बाद लैंडस्लाइड, 14 की मौत
- विक्रोली इलाके में दोमंजिला बिल्डिंग ढही, हादसे में 3 की मौत
- मूसलाधार बारिश से सायन रेलवे स्टेशन के रेल ट्रैक पर पानी भरा

मुंबई, मुंबई में आफत की बारिश जारी है। मूसलाधार बारिश से हुए अलग-अलग हादसों में यहां 18 लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश की वजह से चेंबूर इलाके में लैंडस्लाइड के बाद एक दीवार गिर गई। इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई। मौके पर नैशनल डिजास्टर रिसपॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) के साथ ही राहतकर्मी जुटे हुए हैं। विक्रोली इलाके में मकान गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं भांडुप में दीवार गिरने से एक ने जान गंवाई है।

चेंबूर में भूस्खलन, 14 की मौत, रेस्क्यू जारी

मुंबई में मॉनसून की बारिश आफत लेकर आई है। चेंबूर के भरतनगर इलाके में मूसलाधार बारिश के बाद लैंडस्लाइड हो गई। इससे एक दीवार गिर गई। जिसकी चपेट में आकर 14 लोगों की मौत हो गई। मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने की कोशिश की जा रही है। एनडीआरएफ के साथ ही राहत और बचाव कार्य में स्थानीय प्रशासन के लोग जुटे हैं। मुंबई के रजावाड़ी अस्पताल का कहना है कि चेंबूर में दीवार गिरने से हुए हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है।

एनडीआरएफ के इंस्पेक्टर राहुल रघुवंश का कहना है, 'एनडीआरएफ ने मलबे से दो शव बरामद किए हैं। एनडीआरएफ कर्मियों के पहुंचने से पहले स्थानीय लोगों ने 10 शव निकाल लिए थे। कम से कम 7 और लोग मलबे में दबे हो सकते हैं।'

विक्रोली में इमारत ढहने से 3 की मौत मुंबई के अलग-अलग इलाकों में बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। विक्रोली इलाके में एक दोमंजिला इमारत ढह गई। बीएमसी के मुताबिक इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। एनडीआरएफ के डेप्युटी कमांडेंट आशीष कुमार का कहना है, 'विक्रोली में मूसलाधार बारिश के बाद हुए हादसे में अब तक तीन शव निकाले जा चुके हैं। 5-6 और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।' बारिश से बेहाल मुंबई मुंबई में सुबह से ही जोरदार बारिश हो रही है। इसकी वजह से सायन रेलवे स्टेशन के रेल ट्रैक पर पानी भर गया। वहीं किंग सर्कल पर भी जलभराव हो गया। कांदिवली ईस्ट के हनुमान नगर में भारी बारिश से बुरा हाल है। यहां लोगों के किचन तक बारिश का पानी पहुंच गया है। उधर लगातार बारिश के बाद गांधी मार्केट इलाके में सड़कों पर पानी भर जाने से आवाजाही प्रभावित हुई है। मॉनसून की बारिश से मुंबई जूझ रही है। शहर के तमाम निचले इलाकों में पानी भरा हुआ है। वहीं जगह-जगह सड़कों पर जलभराव से ट्रैफिक पर भी बुरा असर पड़ा है।

मुंबई की उड़ान में आरडीएक्स होने की कॉल, मचा हड़कंप

मुंबई, सागर जिले के ढाना में स्थित हवाई पट्टी के निकट चाइम्स एविएशन का एक प्रशिक्षु विमान रनवे छोड़कर सड़क किनारे पहुंच गया। हादसा शनिवार को दोपहर करीब तीन बजे हुआ। प्रशिक्षु पायलट सुरक्षित है जबकि प्रशिक्षक पायलट को मामूली चोट आई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ट्वीट करके हादसे की जांच कराने की घोषणा की है। दुर्घटना तब हुई जब प्रशिक्षु पायलट इशिका शर्मा चाइम्स एविएशन का विमान रनवे पर उतार रही थीं। वहीं मुंबई ने बताया कि दुबई-मुंबई की उड़ान में आरडीएक्स की मौजूदगी के बारे में एक फोन आया। कॉल के बाद मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई। हालांकि विमान की जांच की गई तो कुछ नहीं मिला। जांच के बाद यह फर्जी कॉल निकली...

विमान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त इसी दौरान विमान अनियंत्रित होकर रनवे छोड़कर सागर-रहली मार्ग पर जा पहुंचा और सड़क किनारे गिर गया। हादसे की खबर मिलते मौके पर चाइम्स के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने विमान को ढंक दिया है। प्रशिक्षु इशिका शर्मा ठीक हैं। उनके साथ चल रहे पायलट को मामूली चोट आई है लेकिन विमान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है।

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के ठिकानों पर ED की फिर छापेमारी

मुंबई. प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने एक बार फिर कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी नेता अनिल देशमुख के ठिकानों पर छापेमारी की है. यह छापेमारी उनसे जुड़े उगाही और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की गई है. ईडी की टीमों ने अनिल देशमुख के नागपुर और उनके गांवों के घरों में छापे मारे हैं. ईडी की टीमों ने अनिल देशमुख के नागपुर से 100 किमी दूर स्थित वड़वीरा गांव में भी छापेमारी की है. इसी गांव में देशमुख का पुराना घर भी है. इससे पहले ईडी ने हाल ही में अनिल देशमुख और उनके परिवार की 4.20 करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त की थी. इसमें मुंबई के वर्ली में स्थित उनका घर भी शामिल था. जानकारी के मुताबिक ईडी ने पीएमएलए के यह कार्रवाई की थी. जब्त संपत्ति में मुंबई के फ्लैट के अलावा रायगढ़ में स्थित उनकी 2.67 करोड़ रुपये की जमीन भी थी.

मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे पत्र में आरोप लगाया था कि देशमुख ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री रहते हुए बर्खास्त हो चुके पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को मुंबई के बार और रेस्तराओं से हर महीने 100 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही करने का निर्देश दिया था.

इससे पहले ईडी ने 4.20 करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त की थी. इसमें मुंबई के वर्ली में स्थित उनका घर भी शामिल था.

वहीं विशेष पीएमएलए अदालत ने 6 जुलाई को महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के दो सहायकों को मंगलवार को 20 जुलाई तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया था. देशमुख के खिलाफ 100 करोड़ रुपये की रिश्वत के आरोपों से जुड़े धनशोधन के मामले में यह कार्रवाई की गई है. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 26 जून को देशमुख के निजी सचिव संजीव पलांडे और निजी सहायक कुंदन शिंदे को गिरफ्तार किया था. उनके खिलाफ धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है.

साल के आखिर में मिलेगी नई मुंबई को 'मेट्रो की सौगात!'

नई मुंबई शहर में मेट्रो रेल योजना का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। उम्मीद है कि इस साल के आखिर तक नई मुंबई वासियों को मेट्रो ट्रेन की सौगात मिल जाएगी और इसका परिचालन शुरू हो जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार, इस प्रोजेक्ट में पहले फेज का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। सिडको सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पहले फेज में स्टेशन ७ से ११ तक की ५.५ किलोमीटर की दूरी तक मेट्रो का शुरू में परिचालन होगा। इस मेट्रो मार्ग में बने १ से ६ रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्य पूर्ण नहीं होने से समय अवधि बढ़ सकती है। इस मेट्रो की पेंधर से बेलापुर स्टेशन तक की कुल दूरी ११.१० किलोमीटर है। मेट्रो रेल को अन्य जगहों से जोड़ने के लिए कुल चार पेâज में कार्य किया जाना निश्चित है। ११.१० किलोमीटर तक चलनेवाली पहली मेट्रो रेल की बिजली सप्लाई का कार्य अंतिम पड़ाव पर बताया जा रहा है। बता दें कि नई मुंबई मेट्रो रेल के प्रोजेक्ट निर्माण दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट में पहले पेâज में बेलापुर से पेंधर तक ११ किलोमीटर तक की दूरी में मेट्रो रेल चलेगी। खारघर स्थित सब स्टेशन तथा पेंधर में २२० के.वी. के सब स्टेशन का निर्माण कार्य लगभग समापन की ओर है। सिडको जनसंपर्क अधिकारी प्रिया रातांबे ने बताया कि चीन से लाए मेट्रो के कुल ८ ट्रेन के २४ डिब्बे तलोजा डिपो में पहुंच गए हैं। इसकी टेस्टिंग भी पूरी हो चुकी है। वर्ष के आखरी माह तक मेट्रो रेल की शुरुवात किए जाने की प्रबल संभावना है। आगे चलकर इसे एमआईडीसी तलोजा से खांदेश्वर तक जोड़ा जाएगा, जिसकी कुल दूरी ७ किलोमीटर है।

24 घंटे शूटिंग का प्रस्ताव नामंजूर, उद्धव ठाकरे और प्रोड्यूसर्स गिल्ड की बैठक में नहीं बनी बात

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से शनिवार के दिन फिल्म प्रोड्यूसर्स गिल्ड के सदस्यों ने बैठक की।

प्रोड्यूसर गिल्ड के सदस्यों की मांग थी कि उन्हें महाराष्ट्र में 24 घंटे शूटिंग की इजाजत दी जाए। हालांकि उद्धव ठाकरे ने थर्ड वेव के संभावित खतरे को देखते हुए उनकी इस मांग को खारिज कर दिया है। फिलहाल शूटिंग समय सुबह 7 से दोपहर 4 बजे तक ही है। सीएम के साथ हुई इस ऑनलाइन बैठक में प्रोड्यूसर्स गिल्ड के रितेश सिधवानी, मधु भोजवानी, राकेश मेहरा, नितिन अहूजा, वहीं मराठी फिल्म इंडस्ट्री के सैराट के डायरेक्टर नागराज मंजुले, सुबोध भावे, रवी जाधव मौजूद थे। सीएम के फैसले से नाराजगी सीएम के इस फैसले से बॉलीवुड प्रोड्यूसर्स गिल्ड के सदस्य नाराज बताए जा रहे हैं। सीएम के साथ हुई इस बैठक में गिल्ड के सदस्यों के साथ पुलिस कमिश्नर हेमंत नगराले, कोविड टास्क फोर्स के डॉ.संजय ओक, डॉ.शशांक जोशी,डॉ.प्रदीप व्यास भी शामिल हुए थे। सुबह 7 से शाम 4 बजे तक शूटिंग कोरोना महामारी के मद्देनजर महाराष्ट्र सरकार ने शूटिंग के लिए सुबह 7 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक की इजाजत दी है। किसी भी शूटिंग के लिए पहले पुलिस की परमिशन लेना अनिवार्य है। इसके अलावा कोविड19 प्रोटोकॉल का भी पालन अनिवार्य रूप से होना चाहिए। क्रू की जिम्मेदारी प्रोड्यूसर की होगी

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मीटिंग के दौरान यह स्पष्ट किया कि शूटिंग पर मौजूद रहने वाले क्रू मेंबर के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी फिल्म प्रड्यूसर की रहेगी। फिल्म प्रोड्यूसर को शूटिंग के दौरान मौजूद स्टाफ द्वारा कोविड दिशानिर्देश का पालन करवाना, उनके वैक्सीनेशन की जिम्मेदारी, शूटिंग के दौरान स्वास्थ्य संबंधी शिकायत का निवारण, समय-समय पर कोरोना जांच करनवाने की जिम्मेदारी भी लेनी होगी।

धार्मिक, राजनीतिक, आंदोलनों की भीड़ को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बने नीति!

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का अनुरोध

मुंबई, कोरोना की संभावित तीसरी लहर का सामना करने के लिए बढ़ती भीड़ एक बड़ी चुनौती है। इस दृष्टि से धार्मिक, सामाजिक कारणों के साथ-साथ राजनीतिक आयोजनों और आंदोलन के कारण होनेवाली भीड़ को रोकने के लिए केंद्र सरकार को राष्ट्रीय स्तर पर एक व्यापक नीति बनानी चाहिए। यह अनुरोध मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से किया है। कोविड की दूसरी लहर का मुकाबला करने के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा उठाए गए ठोस कदम और संभावित तीसरी लहर के लिए किए गए नियोजन के बारे में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में जानकारी दी। देश के छह राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कल बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने उक्त बातें कहीं।

दादर में बनेगा फैमिली मॉल

मुंबई के दादर स्टेशन पर भविष्य में जब आप सफर करने के लिए पहुंचेंगे तो आपको इस स्टेशन पर स्पा, सलून और गैमिंग जोन के साथ ही डोमेस्टिक और मल्टी नेशनल रिटेल ब्रांड्स की दुकानें दिखाई देंगी। दरअसल, रेलवे ने दादर स्टेशन के विकास के साथ ही यहां पर फैमिली मॉल की संकल्पना की है। भारतीय रेलवे पीपीपी मॉडल के आधार पर मुंबई सेंट्रल, अंधेरी के बाद अब पश्चिम रेलवे के दादर रेलवे स्टेशन का चहेरा बदलकर कमाई का नया विकल्प तलाशेगी। पीपीपी मॉडल पर कमाई रेलवे कमाई बढ़ाने के लिए कई मॉडल पर काम कर रही है। भारतीय रेलवे में पीपीपी मॉडल पर स्टेशनों के विकास की बात हो या फिर प्राइवेट ट्रेन चलाने की, रेलवे हर कोशिश कर रेवेन्यू बढ़ाने का सभी अवसर तलाश रही है। इसी कड़ी में रेलवे अपनी अनुपयोगी जमीन पर पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत इकोनॉमिकल सेंटर डेवलप कर रही है। दादर के फैमिली मॉल सेंटर को रेलवे ५०८.४६ वर्ग मीटर के क्षेत्र में डेवलप करेगी। ११ करोड़ की उम्मीद दादर के इस फैमिली मॉल से रेलवे को पांच साल में ११ करोड़ रुपए का रेवेन्यू जुटाने की उम्मीद है। इससे पहले रेलवे ने मुंबई सेंट्रल, अंधेरी, कांदिवली, गोरेगांव और बोरिवली में भी यूनिसेक्स सैलून शुरू करने की योजना बनाई है। मुंबई सेंट्रल के वेटिंग रूम एरिया में तो मसाज और स्पा जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इस तरह की सुविधाएं दादर फैमिली मॉल सेंटर में भी उपलब्ध होंगी। नई मुंबई में बने स्टेशनों की तर्ज पर ही अन्य स्टेशनों को डेवलप किया जाएगा। यहां निजी कंपनी द्वारा रेलवे परिसर में ही शॉपिंग प्लाजा, सिक्योरिटी बूथ, पैसेंजर वेटिंग एरिया, एटीएम कीऑस्क, गेमिंग जोन इत्यादि बनाए जाएंगे। प्रोजेक्ट पर कोरोना का असर रेलवे अधिकारी के अनुसार मौजूदा हालात के कारण कोई भी निजी वंâपनी फिलहाल बड़े निवेश से बच रही है। यही कारण है कि इन योजनाओं में देरी हो रही हैं। बहरहाल, रेलवे द्वारा इस तरह जुटाए जा रहे फंड को गैर किराया राजस्व की श्रेणी में रखा जा रहा है।

गठबंधन के तकाजे

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने अपने ताजा बयान से उपजे विवाद को शांत करने के लिए वही रास्ता अपनाया जो लापरवाही भरे बयान जारी करने वाले नेता अक्सर अपनाते हैं। उन्होंने पूरा दोष मीडिया के मत्थे मढ़ते हुए कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर दिखाया गया और दरअसल उनका इशारा प्रदेश सरकार नहीं बल्कि केंद्र सरकार की ओर था। बहरहाल, यह पहला मौका नहीं है जब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बयान ने पार्टी और राज्य सरकार को असहज किया है। वे न केवल बार-बार कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर रहे हैं बल्कि सरकार पर परोक्ष रूप से घोटाले का भी आरोप लगा चुके हैं। चुनाव लड़ने की घोषणाओं का तो वे बचाव भी करते रहे हैं। यह सही है कि तीन विपरीत विचारधाराओं वाली पार्टियों का यह गठबंधन स्थायी नहीं है। लेकिन प्रदेश में कार्यकाल पूरा करने वाली

एक स्थिर सरकार देना तो इस गठबंधन का घोषित मकसद रहा है। राज्य में अगला विधानसभा चुनाव 2024 में होना है। अभी मौजूदा सरकार ने आधा कार्यकाल भी पूरा नहीं किया है। फिर भी उसकी तैयारी करना, पार्टी संगठन को सचेत रखना किसी पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी का हिस्सा हो सकता है, लेकिन क्या इसकी बार-बार सार्वजनिक घोषणा करना भी उतना ही जरूरी है? इरादा हो या न हो, इससे यह संदेश जाता है कि प्रदेश की गठबंधन सरकार में अपनी भागीदारी को लेकर कांग्रेस कहीं न कहीं दुविधा और असमंजस में है। मगर ऐसा संकेत देने वाली कांग्रेस इकलौती पार्टी नहीं है। गठबंधन सरकार की अगुआई कर रही शिवसेना की तरफ से भी उसके प्रवक्ता संजय राउत ऐसे कई बयान दे चुके हैं जिन्हें गठबंधन धर्म के अनुरूप मानना मुश्किल हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि पारंपरिक तौर पर शिवसेना की सोच बीजेपी के करीब रही है। लेकिन इसके बावजूद दोनों इस बार साथ मिलकर सरकार नहीं बना सकीं और शिवसेना ने अपनी राह अलग करते हुए एनसीपी तथा कांग्रेस के साथ सरकार बनाने का अपेक्षाकृत कठिन रास्ता चुना। अब जब यह कांटों भरी राह चुन ली तो इस पर आगे बढ़ने के बजाय बीच-बीच में पुराने रास्ते को याद करके बिसूरते रहना मौजूदा सफर को और कठिन बनाएगा। गठबंधन में शामिल सभी पक्षों को यह याद रखना चाहिए कि फिलहाल उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी राज्य को एक स्थिर और अच्छा शासन मुहैया कराने की है जिसका कि तीनों दलों ने अपने वोटरों से वादा भी किया है। एक बार सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर ले तो चुनाव वे जैसे चाहें लड़ें, लेकिन उससे पहले गठबंधन के तकाजों को समझना और उसका पूरी संवेदनशीलता के साथ निर्वाह करना तीनों दलों का लोकतांत्रिक दायित्व भी है। बेहतर होगा कि तीनों दलों का

लोकतंत्र का मार्गदर्शक

किरीट ए. चावड़ा

नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को संसद के निचले सदन को बहाल करते हुए निर्देश दिया कि नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा को प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाए। पांच महीने में यह दूसरा मौका है, जब सुप्रीम कोर्ट ने संसद के निचले सदन को भंग करने के राष्ट्रपति के फैसले को असंवैधानिक करार दिया। किसी संसदीय लोकतंत्र में न्यायपालिका का राष्ट्रपति को यह निर्देश देना सामान्य नहीं माना जा सकता कि फलां व्यक्ति को प्रधानमंत्री नियुक्त करें, लेकिन जिन हालात से नेपाल पिछले कुछ समय से गुजर रहा है, उसे देखते हुए न्यायपालिका का यह दखल आदर्श नहीं तो आवश्यक जरूर कहा जाएगा। राजतंत्र से लोकतंत्र में प्रवेश के बाद की पिछले डेढ़ दशक की यात्रा नेपाल के लिए खासी उतार-चढ़ाव भरी रही। उससे पहले का एक पूरा दशक जनयुद्ध में गंवा चुका

नेपाल राजतंत्र के खात्मे के बाद भी राजनीतिक अनिश्चितता से जूझता रहा। 2015 में नया संविधान लागू होने और उसके मुताबिक निर्वाचित सरकार बन जाने के बाद भी उसे राजनीतिक स्थिरता नसीब नहीं हुई। सत्तारूढ़ पार्टी में राजनीतिक मतभेदों के चलते सरकार अल्पमत में आ

चुकी थी, लेकिन प्रधानमंत्री ओली इस सच को स्वीकार करने को तैयार नहीं थे। 20 दिसंबर 2020 को उन्होंने संसद का निचला सदन भंग करने की सिफारिश कर दी, जिसे राष्ट्रपति विद्यादेवी भंडारी ने स्वीकार भी कर लिया। विपक्षी दलों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 23 फरवरी को राष्ट्रपति का यह फैसला पलट दिया। नतीजा यह कि संसद का सत्र शुरू होने पर 10 मई को ओली सरकार सदन में विश्वास मत हासिल नहीं कर सकी। दिलचस्प बात यह कि विश्वास प्रस्ताव गिर जाने के बावजूद उन्होंने फिर निचला सदन भंग करने की सिफारिश कर दी और राष्ट्रपति ने फिर उनकी सिफारिश स्वीकार कर ली। इस फैसले को भी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। नेपाली कांग्रेस की पिटिशन में 146 सासंदों ने हस्ताक्षर किए थे। निचले सदन की कुल सदस्य संख्या (275) देखते हुए बहुमत को लेकर कोई संदेह नहीं हो सकता था। लेकिन कामचलाऊ प्रधानमंत्री के रूप में ओली चुनावी तैयारियों में लगे थे। कोर्ट का फैसला आने से पहले ही चुनाव आयोग ने चुनावों की तारीखें भी घोषित कर दी थीं। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले ने किसी तरह के भ्रम या संदेह के लिए गुंजाइश नहीं छोड़ी। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 76 (5) के मुताबिक जब सांसद नया प्रधानमंत्री चुनने के लिए वोट दे रहे हों तो पार्टी व्हिप मायने नहीं रखती। सुप्रीम कोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले ने न केवल संविधान की उपयुक्त व्याख्या करके भविष्य के संदेहों और उलझनों को दूर किया है बल्कि संसदीय लोकतंत्र की राह पर नेपाल के भावी सफर को भी आसान किया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस कड़वे अनुभव के बाद नेपाल में संविधान की मनमानी और स्वार्थकेंद्रित व्याख्या करने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा।

बढ़ती आबादी को लेकर बदलना होगा नजरिया

जिगर डी वाढेर

आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में जनसंख्या को स्थिर करने के लिए नई जनसंख्या नीति (वर्ष 2021-30 की अवधि के लिए) का ऐलान किया गया है। इस नीति के माध्यम से परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत गर्भ निरोधक उपायों की सुलभता बढ़ाने और सुरक्षित गर्भपात की व्यवस्था देने की कोशिश होगी। वहीं उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से नवजात मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर को कम करने के प्रयास भी किए जाएंगे। वहीं असम सरकार भी प्रदेशवासियों पर टू-चाइल्ड पॉलिसी का फॉर्म्युला लागू करने की तैयारी में जुट गई है। जनसंख्या वृद्धि दर के आंकड़ों पर नजर रखने वाली वेबसाइट वर्ल्डोमीटर के अनुसार, 2021 में भारत की जनसंख्या लगभग 139 करोड़ हो चुकी है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र की जनसंख्या रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आबादी 121 करोड़ है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट 'द वर्ल्ड पॉप्युलेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2019 : हाईलाइट्स' में अनुमान लगाया गया है कि 30 वर्षों में वैश्विक जनसंख्या में 2 अरब लोग और जुड़ जाएंगे। फिलहाल दुनिया की आबादी लगभग 7 अरब 70 करोड़ है, और 2050 तक यह बढ़कर 9 अरब 50 करोड़ से ज्यादा हो जाएगी। मौजूदा समय से 2050 तक भारत में सबसे ज्यादा जनसंख्या वृद्धि होने का अनुमान है। भारत चीन को पीछे छोड़ते हुए 2027 तक दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन जाएगा।किसी देश के लिए बढ़ती आबादी समस्या है या आवश्यकता, यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए मान लीजिए कि किसी देश के नागरिक केवल एक ही संतान में विश्वास करते हैं, तो शुरू में यह देश की प्रगति में बहुत योगदान देगा, क्योंकि कम जनसंख्या के कारण संसाधनों पर बोझ कम होगा। लेकिन अगर वह देश इसी रफ्तार से चलता रहा तो अगले कुछ समय में उस देश की आबादी ज्यादा उम्रदराज हो जाएगी, और हर स्त्री-पुरुष

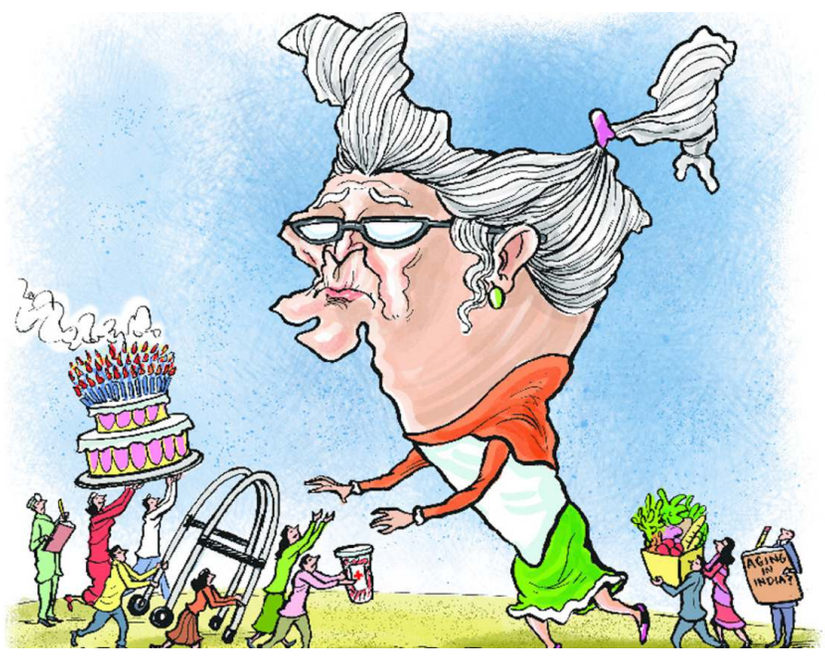

पर चार बूढ़े लोगों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी होगी। समय के साथ यह अंतर बढ़ता जाएगा, जिसके कारण बुजुर्गों की आबादी देश के योगदान में ज्यादा मददगार नहीं होगी। लिहाजा वह देश दूसरे देशों की तुलना में पिछड़ने लगेगा, क्योंकि देश में कामकाजी लोगों की कमी हो जाएगी।

कम जनसंख्या किसी देश की प्रगति में एक समय में सहायक होती है तो यही चीज आने वाले समय में देश की तरक्की में सबसे बड़ी बाधा भी बनती है।

चीन को अभी इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते वह अब वन और टू चाइल्ड पॉलिसी से मुक्ति पाकर थ्री चाइल्ड पॉलिसी की ओर बढ़ रहा है। बढ़ती उम्र की आबादी से जापान भी परेशान है। इटली में जन्म दर की गिरावट के कारण बच्चे के जन्म पर सरकार 70 हजार रुपये तो देती ही है, घर और कारोबार शुरू करने में कई तरह की मदद भी मुहैया कराती है। यूरोपीय देश एस्टोनिया में जन्म दर बढ़ाने के लिए कर्मचारियों को पूरे वेतन के साथ डेढ़ साल की छुट्टी दी जाती है।

साथ ही तीन बच्चों वाले परिवार को वहां हर महीने 25 हजार रुपये का बोनस दिया जाता है।

आम धारणा के विपरीत बढ़ती आबादी हमारी समस्या नहीं है, बल्कि सबसे बड़ी ताकत है। गलत अवधारणाओं ने भारत में मानव पतन को बढ़ावा दिया है। उन लाखों अजन्मे बच्चों के बारे में सोचें, जो हमारी क्रूर परिवार नियोजन नीतियों के परिणामस्वरूप मारे गए। इनमें से कितने तेंडुलकर, रहमान और सत्यजीत रे बन सकते थे।

भारत की सबसे बड़ी समस्या बढ़ती आबादी नहीं, बल्कि सरकार और नेताओं की गलत प्राथमिकता है।

भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहां सभी को अपने निजी जीवन के बारे में निर्णय लेने का अधिकार है। भारत में जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून का सहारा लेने के बजाय शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने और गरीबी उन्मूलन से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाना चाहिए। बढ़ती आबादी को कुशल मानव संसाधन के रूप में उपयोग करने पर ध्यान देना भी जरूरी है।

इस दिशा में सही ढंग से प्रयास किए जाएं तो देश की विशाल आबादी कुछ ही समय में हमारे लिए वरदान बन सकती है।

डिजिटल मीडिया के नए नियमों पर कानूनी पेच

भूपेन्द्र पटेल

सरकार के इन्फॉर्मेशन टेक्नलॉजी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस ऐंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) रूल्स, 2021 या डिजिटल मीडिया एथिक्स रूल्स, 2021 के खिलाफ कम से कम 10 मुकदमे दायर किए जा चुके हैं। हम यहां बता रहे हैं कि ये रूल्स क्या हैं और किस वजह से संबंधित पक्षों ने इसे चुनौती दी है। ये रूल्स क्या हैं? डिजिटल मीडिया एथिक्स रूल्स को सरकार ने इस साल 25 फरवरी को अधिसूचित किया था। ये गूगल, फेसबुक, वट्सऐप और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लैटफॉर्मों, ओटीटी और डिजिटल न्यूज प्लैटफॉर्म सहित डिजिटल मीडिया के लिए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (MeITY) मंत्रालय इन दिशानिर्देशों को सोशल मीडिया इंटरमीडियरीज पर लागू करेगा, जबकि सूचना और प्रसारण मंत्रालय का काम यह देखना होगा कि डिजिटल मीडिया कंपनियां इन नियमों पर अमल कर रही हैं या नहीं। सरकार का दावा है कि ये नियम इसलिए बनाए गए हैं ताकि प्रिंट, टेलिविजन और डिजिटल मीडिया को आगे बढ़ने के लिए एक जैसा माहौल मिले। उनके लिए एक जैसा नियम-कानून हो। इसके साथ ही डिजिटल मीडिया के लिए भी नियमों का एक ढांचा बने।

ये नियम कहते हैं कि सभी इंटरमीडियरी और डिजिटल मीडिया प्लैटफॉर्मों को त्रिस्तरीय व्यवस्था बनानी होगी। इस व्यवस्था की मदद से उन्हें शिकायतों का निपटारा करना होगा और हर महीने कंप्लायंस रिपोर्ट सौंपनी होगी। इस रिपोर्ट में बताना होगा कि जो शिकायतें मिलीं, उन्हें दूर करने के लिए संबंधित प्लैटफॉर्मों ने क्या किया। नियम यह भी कहते हैं कि 24 घंटे के अंदर शिकायत मिलने की बात माननी होगी और 15 दिनों के अंदर उसका निपटारा करना होगा। इस दौरान जिस पोस्ट को लेकर शिकायत मिली हो, उसे सूचना और प्रसारण सचिव ब्लॉक कर सकते हैं या हटा सकते हैं। सोशल मीडिया इंटरमीडियरी और डिजिटल न्यूज मीडिया ने इन नियमों को अलग-अलग चुनौती दी है। इनमें कहा गया है कि किसी 'ऑफेंसिव (आपत्तिजनक)' मेसेज के बारे में कंपनियों को बताना होगा कि उसे किसने शुरू किया। इसे वट्सऐप ने अदालत में चुनौती दी है। फेसबुक के मालिकाना हक वाली इकाई वट्सऐप का दावा है कि ऐसा करने के लिए उसे एंड-टु-एंट एन्क्रिप्शन को तोड़ना होगा। वट्सऐप दुनिया के कई देशों में मौजूद है और वह सिर्फ भारत के लिए ऐसा नहीं कर सकता। ट्विटर ने इन नियमों को मानने की बात तो कही है, लेकिन दूसरी सोशल मीडिया इंटरमीडियरीज ने ऐसा न करने पर आपराधिक धाराओं के तहत मुकदमा चलाए जाने को चैलेंज किया है। नियम कहते हैं कि उनके प्लैटफॉर्मों पर 'आपत्तिजनक' कंटेंट पोस्ट हुआ तो संबंधित कंप्लायंस अधिकारियों पर आपराधिक धाराओं के तहत मुकदमा चलेगा। इन नियमों को अधिसूचित करने से पहले सोशल मीडिया और ओटीटी प्लैटफॉर्मों के साथ सरकार ने चर्चा की थी, लेकिन उसने डिजिटल न्यूज मीडिया प्लैटफॉर्मों की इन पर राय नहीं ली थी। आईटी रूल्स का जो मसौदा तैयार किया गया, उस पर सार्वजनिक तौर पर रायशुमारी नहीं की गई। इसलिए डिजिटल न्यूज मीडिया कंपनियां इन नियमों का विरोध कर रही हैं। उनका यह भी कहना है कि नए नियम लागू हुए तो सेंसरशिप और उनके कामकाज में दखलंदाजी बहुत बढ़ जाएगी। इन कंपनियों का कहना है कि मीडिया हाउसों पर पहले से प्रेस काउंसिल कानून, केबल टीवी नेटवर्क कानून के तहत प्रोग्राम कोड और दूसरे अधिनियम लागू हैं। फिर नए नियमों को उन पर क्यों थोपा जा रहा है?

मद्रास हाईकोर्ट में दायर याचिका में डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स असोसिएशन (डीएनपीए) ने कहा है कि इन नियमों के जरिये पारंपरिक मीडिया और उनकी डिजिटल इकाइयों को रेगुलेट करने की कोशिश हो रही है, जबकि आईटी एक्ट, 2000 के तहत ऐसा नहीं किया जा सकता। इस असोसिएशन में टाइम्स ऑफ इंडिया, इंडिया टुडे, एनडीटीवी जैसे मीडिया हाउस शामिल हैं। असोसिएशन का यह भी कहना है कि इन नियमों में अखबार और उसके ऑनलाइन वर्जन के बीच जो कानूनी फर्क किया गया है, वह 'अस्पष्ट और मनमाना' है।

न्यूज एजेंसी प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में इन रूल्स को चुनौती दी है। उसका कहना है कि सरकार ने 'गुड टेस्ट', 'डिसेंसी' और 'हाफ-ट्रूथ्स' को रोकने जैसी जो शर्तें रखी हैं, इनमें से किसी को भी आईटी एक्ट, 2020 में स्पष्ट नहीं किया गया है। पीटीआई ने कहा है कि इन नियमों को न मानने पर 'गंभीर परिणाम' भुगतने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। इसमें कंटेंट को ब्लॉक करने, उसे बदलने और डिलीट करने के साथ अनिवार्य माफीनामा छापने की बात कही गई है। न्यूज एजेंसी का दावा है कि इससे 'निगरानी और डर का नया माहौल पैदा होगा, जिससे सेल्फ-सेंसरशिप को बढ़ावा मिलेगा।' ओटीटी प्लैटफॉर्मों का क्या होगा? नियम कहते हैं कि ओटीटी प्लैटफॉर्मों को आयु के हिसाब से अपने कंटेंट को पांच वर्गों में बांटना होगा। उनके जो कंटेंट वयस्कों के लिए हैं, उनके लिए प्लैटफॉर्मों को पैरेंटल लॉक मुहैया कराना होगा ताकि बच्चे उन्हें न देख पाएं। नियम में यह भी कहा गया है कि इन कंपनियों को जो कंटेंट वयस्कों के लिए है, उसकी खातिर 'आयु की पहचान करने का विश्वसनीय तंत्र' भी विकसित करना होगा। इसके साथ ओटीटी प्लैटफॉर्मों को सेल्फ-रेगुलेटरी मेकेनिज्म यानी ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें वे खुद पहल करके आपत्तिजनक कंटेंट को दर्शकों के सामने आने से रोकेंगे। इन कंपनियों ने नियमों पर अमल कर दिया है, लेकिन उनका कहना है कि सेल्फ-रेगुलेशन मेकेनिज्म को लेकर ओटीटी प्लैटफॉर्मों को आजादी मिलनी चाहिए।

तेलतुंबडे के खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया सही'

याचिका में दावा किया गया है कि अभियोजन पक्ष का यह आरोप सही नहीं है कि वह युद्ध छेड़ रहे हैं या युद्ध छेड़ने का प्रयास कर रहे हैं या जनता को उकसा रहे है। तेलतुंबडे अभी तलोजा जेल में बंद हैं।

मुंबई, एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में कार्यकर्ता आनंद तेलतुंबडे की जमानत अर्जी खारिज करते हुए अपने आदेश में विशेष एनआईए अदालत ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। विशेष अदालत ने कहा कि तेलतुंबडे के खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया सही लग रहे हैं। इसको लेकर उनके खिलाफ पर्याप्त सामग्री है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा की जा रही इस मामले की जांच में सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश डी. ई. कोथलीकर ने 12 जुलाई को तेलतुंबडे की जमानत याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की थी। इस आदेश की विस्तृत प्रति शुक्रवार को उपलब्ध हुई। विशेष अदालत ने कहा, 'दस्तावेजों, ई-मेल के आदान-प्रदान और अभियोजन ने जिन गवाहों पर भरोसा किया उनके बयानों का अध्ययन और आवेदक के खिलाफ लगाए गए आरोपों की सत्यता के प्रति-परीक्षण के बाद इस अदालत ने पाया कि आरोप स्वाभाविक रूप से असंभाव्य या पूरी तरह से अविश्वसनीय नहीं हैं।' न्यायाधीश ने आदेश में कहा, 'इसके विपरीत मुझे इस नतीजे पर पहुंचने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि इस बात के पर्याप्त साक्ष्य है, जिनके आधार पर अदालत प्रथम दृष्टया इस नतीजे पर पहुंच सकती है कि तेलतुंबडे के खिलाफ लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सच हैं।' एनआईए ने पिछले साल अप्रैल में तेलतुंबडे को गिरफ्तार किया था। उन्होंने जनवरी, 2021 में जमानत याचिका दायर की थी। याचिका में दावा किया गया है कि अभियोजन पक्ष का यह आरोप सही नहीं है कि वह युद्ध छेड़ रहे हैं या युद्ध छेड़ने का प्रयास कर रहे हैं या जनता को उकसा रहे है। तेलतुंबडे अभी तलोजा जेल में बंद हैं।

36 लाख रुपये का बकरा, मालिक ने कहा- एक करोड़ में बेचूंगा

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में एक टाइगर नाम का बकरा इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। दूर- दूर से लोग इस बकरे को देखने के लिए आ रहे हैं। आप सोच रहे होंगे कि आखिर ऐसा क्या है इस बकरे में। तो आइए हुजूर आपकी यह उलझन भी दूर किए देते हैं। दरअसल टाइगर नाम के इस बकरे को जब बाजार में इसके मालिक बेचने के लिए लेकर गए तब लोगों ने इस बकरे को खरीदने के लिए 36 लाख रुपये तक की बोली लगा दी। हर हाल में लोग इस बकरे को खरीदना चाहते हैं। हालांकि कशमकश में फंसे टाइगर के मालिक उसे वापस लेकर घर आ गए हैं। उनका कहना है कि मुझे इस बकरे को एक करोड़ रुपये में बेचना है। फिलहाल जानकारी के मुताबिक लोग इस बकरे के 51 लाख रुपये तक देने को तैयार हैं। टाइगर बेहद ऊंचा और मजबूत कद काठी का बकरा है। जिसे पकड़ने के लिए दो लोग कम से कम लगते हैं। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि उसके शरीर पर जन्मजात अल्लाह लिखा हुआ है। इस वजह से हर को उसे खरीदना चाहता है।

नांदेड के उर्दू घर को दिलीप कुमार का नाम दिया जाएगा

मुंबई, नांदेड स्थित उर्दू घर को दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार का नाम दिया जाएगा। राज्य के लोकनिर्माण मंत्री अशोक चव्हाण ने मलिक और अन्य नेताओं की मौजूदगी में बुधवार को उर्दू घर का उद्घाटन किया। राज्य के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक ने बताया कि नांदेड में सांस्कृतिक केंद्र 'उर्दू घर' का नाम दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार के नाम पर रखा जाएगा। इस मौके पर मलिक ने कहा, दिलीप कुमार न केवल एक कलाकार थे, बल्कि उन्हें कई भाषाएं भी आती थीं। उन्होंने उर्दू माध्यम से अपनी शिक्षा हासिल की थी। इसलिए सरकार इस उर्दू घर का नाम दिवंगत अभिनेता के नाम पर रखने का फैसला करेगी। मंत्री ने कहा, मैं जहां भी जाता हूं, लोग मुझसे पूछते हैं कि उर्दू अकादमी कब अस्तित्व में आएगी। चूंकि राज्य की सरकार में तीन दल शामिल हैं, हम तब तक कुछ नहीं कर सकते जब तक कि सर्वसम्मति से निर्णय नहीं लिया जाता। जब कभी भविष्य में कोई उर्दू अकादमी अस्तित्व में आती है तो हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उर्दू के विद्वान इस परियोजना में शामिल हों। राज्य में अल्पसंख्यकों के लिए अधिक बजट के आवंटन की आवश्यकता व्यक्त करते हुए चव्हाण ने कहा, अल्पसंख्यक विभाग का बजट लगभग 350 करोड़ रुपये है, जो कम है। आवंटन को बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये किया जाना चाहिए और मैं इस मुद्दे को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के समक्ष उठाऊंगा।

राजभवन में मनाया गया प्रकृति संरक्षण के लोकपर्व हरेला

मुंबई, राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी की उपस्थिति में शुक्रवार को प्रकृति के संरक्षण और उत्तराखंड का लोकपर्व हरेला मनाया गया। इस दौरान राज्यपाल ने राजभवन में तुलसी का पौधा रोपा और प्रकृति के संरक्षण को लेकर लोगों से वृक्षारोपण करने की अपील की। प्रकृति की संरक्षण करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसीलिए हम सभी को लोकपर्व हरेला के अवसर पर वृक्षारोपण करनी चाहिए। इस दौरान भारत विकास परिषद के कोकण प्रांत के प्रमुख महेश शर्मा, डॉ के.एस. पंवार, अजय बोहरा, पत्रकार केशर सिंह बिष्ट, दयाराम सती, मनोज भट्ट, दीवान सिंह, राजेंद्र शर्मा, चामु सिंह राणा, सुरेश राणा, महेंद्र सिंह गोसाई, चंद्रशेखर फूलोरिया, सुशील जोशी, वीरेंद्र गोसाई, जगदीश सामंत आदि लोग उपस्थित थे।

Sex किये बगैर किया गया यौन उत्पीड़न भी बलात्कार, बॉम्बे हाई कोर्ट का अहम फैसला

- सेक्स किये बगैर भी किया गया यौन उत्पीड़न भी बलात्कार
- आरोपी की याचिका पर बॉम्बे हाई कोर्ट का अहम फैसला
- महिला के जननांग को उंगलियों से छूना भी अपराध
- यह कुछ खास मायने नहीं रखता है कि यौन संबंध नहीं बना

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने बलात्कार के जुर्म में 33 वर्षीय व्यक्ति की सजा को बरकरार रखते हुए कहा कि यौन संबंध बनाए बगैर भी किया गया यौन उत्पीड़न भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत बलात्कार की परिभाषा के तहत आता है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे ने 2019 में निचली अदालत द्वारा एक व्यक्ति को सुनायी गयी 10 साल के कठोर कारावास की सजा को भी बरकरार रखा। पिछले महीने सुनाए गए फैसले में न्यायाधीश ने सत्र अदालत के आदेश को चुनौती देने वाले व्यक्ति की अपील को खारिज कर दिया। सत्र अदालत ने व्यक्ति को मानसिक रूप से कमजोर महिला से दुष्कर्म करने का दोषी ठहराया था। अपील में दलील दी गयी कि उसके और पीड़िता के बीच यौन संबंध नहीं बना था। लेकिन उच्च न्यायालय ने कहा कि फॉरेंसिक जांच में यौन उत्पीड़न का मामला साबित हुआ है। उच्च न्यायालय ने कहा, 'यौन उत्पीड़न की घटना जहां हुई थी उस जगह से मिट्टी के लिए गए नमूने तथा आरोपी के कपड़े और पीड़िता के शरीर पर मिले मिट्टी के अंश मेल खाते हैं। फॉरेंसिक रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई। यह सबूत अभियोजन के मामले को साबित करता है कि महिला का यौन उत्पीड़न हुआ।'

किफायती घरों के लिए म्हाडा की नई योजना!

मुंबई, सरकार ने म्हाडा को अफोर्डेबल हाउसिंग का सपना पूरा करने का जिम्मा सौंपा है, लेकिन म्हाडा के पास मुंबई में जमीन बेहद कम है। इसीलिए म्हाडा 30 साल पहले एयर इंडिया, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया व अन्य कंपनियों को आवंटित करीब 100 प्लॉट वापस लेने की तैयारी में है। इस योजना पर म्हाडा ने काम शुरू कर दिया है। इसके तहत चारकोप, गोराई, मालवणी व अन्य स्थानों पर 100 प्लॉट हासिल कर हजारों किफायती घरों का निर्माण किया जा सकता है। मुंबई इमारत मरम्मत व पुनर्रचना मंडल के सभापति विनोद घोसालकर के अनुसार, कर्मचारियों के निवास स्थान तैयार करने के लिए 30 वर्ष पूर्व एयर इंडिया, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया व अन्य को चारकोप, गोराई, मालवणी व अन्य स्थानों पर प्लॉट अलॉट किए गए थे। लेकिन तीन दशक बीत जाने के बाद भी प्रॉजेक्ट का काम शुरू नहीं हो पाया है। नागरिकों द्वारा लगातार शिकायतें मिल रहीं हैं कि वर्षों से खाली पड़े प्लॉट का विकास नहीं होने से कई प्लॉट पर कचरा फेंका जा रहा है, जबकि कई जगह अतिक्रमण की बात भी सामने आ रही है। इसीलिए म्हाडा ने अपने 100 प्लॉट को वापस लेने का निर्णय लिया है।

मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएगी बीएमसी

म्हाडा की कॉलोनियों में मूलभूत सुविधा प्रदान करने का जिम्मा बीएमसी का होगा। बीएमसी और म्हाडा के बीच हुई अहम बैठक में यह निर्णय लिया गया। बता दें कि म्हाडा को स्वतंत्र नियोजन प्राधिकरण का दर्जा प्राप्त होने के बाद बीएमसी ने म्हाडा की कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं देने से इनकार कर दिया था। इसीलिए संयुक्त बैठक में म्हाडा कॉलोनी में पानी, सड़क, सीवेज लाइन की जिम्मेदारी बीएमसी को सौंपने का निर्णय लिया गया।

अनिल देशमुख पर ED की बड़ी कार्रवाई, जब्त हुई 4.20 करोड़ की संपत्ति

मुंबई, महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत उनकी 4.20 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति कुर्क की है। यह प्रॉपर्टी अनिल देशमुख और उनके परिवार के नाम पर थी। जिसमें उनकी पत्नी आरती देशमुख और प्रीमियर पोर्ट लिंक्स प्राइवेट लिमिटेड नाम शामिल है। प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल देशमुख के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के बाद जांच शुरू की थी।

पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने अनिल देशमुख पर 100 करोड़ रुपए की हफ्ता वसूली का आरोप लगाया था। इन्हीं आरोपों के बाद देशमुख की मुश्किलें बढ़ना शुरू हुई थीं। सीबीआई द्वारा दर्ज मुकदमे के बाद उन्हें अपने पद से भी इस्तीफा देना पड़ा था। ईडी के सामने पेश नहीं हुए देशमुख प्रवर्तन निदेशालय द्वारा तीन बार पूछताछ के लिए भेजे गए समन को गंभीरता से ना लेते हुए अनिल देशमुख जांच एजेंसी के सामने हाजिर नहीं हुए थे। जिसके बाद ईडी ने उनके बेटे ऋषिकेश और पत्नी को भी समन भेजा था लेकिन उन्होंने भी बयान दर्ज कराने से इंकार कर दिया। यह समन महाराष्ट्र पुलिस से संबंधित 100 करोड़ रुपए के कथित वसूली मामले से जुड़े हुए थे। जिनमें प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत पूछताछ की जानी थी। देशमुख के वकील कमलेश घुमरे ने आरोप लगाया कि ईडी की जांच वास्तविक जांच के बजाय 'उत्पीड़न' की तरह ज्यादा दिखती है।

घर, सड़क और रेलवे ट्रैक... बारिश में फिर पानी-पानी हुई मुंबई

शहर में गुरुवार रात से तेज बारिश हो रही है। शहर के कई हिस्सों में जलभराव होने से यातायात बाधित हो गया। नगर निकाय के दावों के बावजूद, वडाला, कुर्ला, चूनाभट्टी, सायन, बांद्रा, अंधेरी, जोगेश्वरी और सांताक्रूज सहित शहर के कई हिस्सों में जलभराव देखा गया।

बारिश की वजह से आज भी मध्य रेलवे की लोकल सेवा 20 से 25 मिनट देरी से चल रही है। कुर्ला और विद्या विहार के बीच ट्रैक पर रेलवे ट्रैक पर जलजमाव की वजह से ट्रेनों की आवाजाही दिक्कत हो रही है। स्लो लाइन का ट्रैफिक भी कुर्ला और विद्याविहार स्टेशन के बीच में फ़ास्ट रूट पर डाइवर्ट किया गया है। हालांकि हार्बर लाइन पर फ़िलहाल कोई दिक्कत नहीं है। तीन घंटे से भारी बारिश मौसम विभाग के अनुसार मुंबई शहर में सुबह सुबह तकरीबन 3 घंटे तक काफी जोरदार बारिश हुई जिसकी वजह से शहर में कई जगह पर जलजमाव हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार मीरा रोड में 73, जुहू में 136, महालक्ष्मी में 56, सांताक्रुज में 25 बांद्रा में 141 भायंदर में 53 और दहिसर में 76 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है।

ट्रेनों की आवाजाही पर भी असर

मुंबई के सियोन स्थित गांधी मार्केट का हाल वंदना टॉकिज के पास बस डिपो में भरा पानी येलो, ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने मुंबई, ठाणे और पालघर के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का संकेत देते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। पुणे, रायगढ़, कोल्हापुर और सतारा के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं रत्नागिरी जिले के लिए रेड अलर्ट का संकेत दिया गया था।

राहुल की 'डरपोकों कांग्रेस छोड़ो' को मुंबई के कांग्रेसियों का समर्थन

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप ने कहा कि बीजेपी और नरेंद्र मोदी सरकार जो आम आदमी का और गरीबों के खिलाफ काम कर रही है उसके खिलाफ निडर होकर हिम्मत से लड़ना ही होगा।

मुंबई, कांग्रेस संगठन में जल्द ही व्यापक बदलाव की खबरों के बीच शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस छोड़कर जाने वाले लोगों को डरपोक और आर एस एस की सोच से प्रेरित बताया। उन्होंने निडर लोगों को पार्टी में लाने की वकालत की। राहुल गांधी की भूमिका को मुंबई कांग्रेस में व्यापक समर्थन मिल रहा है। मंत्री असलम शेख ने कहा कि बीजेपी ने देश में समाजों और लोगों के भीतर जिस तरह का डर पैदा कर रखा है उसका मुकाबला करने के लिए राहुल गांधी की अपील आज के वक्त की जरूरत है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के कार्याध्यक्ष और पूर्व मंत्री नसीम खान ने राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि यह बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था। पार्टी में जो डरपोक नेता हैं और छिपे तौर पर आरएसएस-बीजेपी की विचारधारा का समर्थन करते हैं, ऐसे नेताओं को पार्टी से निकाल देना चाहिए। इससे कांग्रेस और उसकी सर्व धर्म समभाव की नीति को मजबूती मिलेगी। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप ने कहा कि बीजेपी और नरेंद्र मोदी सरकार जो आम आदमी का और गरीबों के खिलाफ काम कर रही है उसके खिलाफ निडर होकर हिम्मत से लड़ना ही होगा। मुंबई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा पूर्व सांसद संजय निरुपम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में ऐसे बहुत से लोग हैं, जो डरपोक हैं और कांग्रेस की विचारधारा से कतराने लगे हैं। बीजेपी का जो लोगों को डराने वाला शासन तंत्र है, उससे घबराए हुए रहते हैं। एक ऐसा वर्ग भी है, जो भीतर ही भीतर बीजेपी से मिला हुआ है। ऐसे लोगों की शिनाख्त होनी चाहिए और उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। पार्टी में ऐसे लोगों को जिम्मेदारी दिए जाने की जरूरत है, जो निडर होकर बीजेपी से लड़ सकें।

महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष और पीसीसी मेंबर जाकिर अहमद ने कहा कि सारा देश देख रहा है कि जब बड़े-बड़े नेता केंद्र की तानाशाही के समक्ष नतमस्तक है, राहुल गांधी संसद से सड़क तक मोदी सरकार की घातक नीतियों का अकेले पुरजोर विरोध करते आ रहे है। अब उन्होंने देश के निडर लोगों को अपने साथ आने का आव्हान किया है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने भी स्वराज की लड़ाई निडर और निस्वार्थ मावलों के सहयोग से ही जीती थी। वहीं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य विश्व बंधु राय ने कहा कि सबसे पहले राहुल गांधी को निडर होकर हिंदुओं को अपमानित करनेवाले नेताओं को पार्टी से बाहर निकालना होगा। पार्टी को अब निडर होकर बहुसंख्यक हिंदू आबादी के लिए भी आवाज उठानी होगी। राहुल गांधी की निडरता से कांग्रेस पार्टी फिर से मजबूत होगी।

सावधान-महिलाओं को ज्यादा होती है माइग्रेन की समस्या, जानिए इसके कारण और बचाव के तरीके

मनोज जोशी

आमतौर पर ज्यादा काम, तनाव या कुछ अन्य स्थितियों के कारण सिरदर्द की समस्या होना सामान्य सी बात है। पर हर सिरदर्द को सामान्य मान लेना सही नहीं है, कुछ प्रकार के सिरदर्द माइग्रेन का कारण भी हो सकते हैं। माइग्रेन का सामान्य जीवन प्रभावित हो सकता है। कुछ लोगों को माइग्रेन की समस्या अक्सर होती रह सकती है। साल 2018 में हुए एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि संयुक्त राज्य अमेरिका में 15 फीसदी से ज्यादा वयस्क माइग्रेन की समस्या के शिकार हैं। वहीं 2015 के आंकड़ों में पाया गया कि 19 फीसदी महिलाएं जबकि 9 फीसदी पुरुषों में इस समस्या के होने का खतरा रहता है। कुछ लोगों को आनुवांशिक रूप से भी यह समस्या हो सकती है। आइए इस लेख में माइग्रेन की समस्या के बारे में विस्तार से समझते हैं।

एक विशेष प्रकार की समस्या है जिसमें लोगों को गंभीर सिरदर्द के साथ कुछ अन्य लक्षणों जैसे मतली-उल्टी, प्रकाश और ध्वनि के प्रति संवेदनशीलता जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। माइग्रेन की समस्या, किसी भी उम्र में हो सकती है, इसलिए सभी लोगों को इसके लक्षणों के बारे में जानकर सावधान रहने की आवश्यक है। डॉक्टरों के मुताबिक माइग्रेन के कारण लोगों की समस्या कई चरणों में हो सकती है, इसी के आधार पर इसके लक्षण भी अलग-अलग होते हैं। सामान्यतौर पर लोगों को माइग्रेन में इस तरह की दिक्कतों का अनुभव हो सकता है।सिरदर्द जो धीरे-धीरे बढ़ता जाता है। कई लोगों में दर्द की समस्या सिर के साथ आंखों के आसपास भी हो सकती है।दर्द के कारण नियमित कार्यों को करने में असमर्थता।प्रकाश और ध्वनि के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि। अंधेरे और शांत कमरे में लेटने से राहत मिलती है।जी मिचलाना-उल्टी महसूस होना।चक्कर आना या बेहोशी महसूस करनामाइग्रेन का दर्द सबसे अधिक माथे के क्षेत्र को प्रभावित करता है। इसके अलावा यह सिर के एक तरफ या दोनों तरफ शिफ्ट हो सकता है। इस तरह की समस्या 3-4 घंटे में ठीक हो जाती है। कुछ लोगों में यह कुछ दिनों तक भी बनी रह सकती है। क्यों होती है माइग्रेन की समस्या?डॉक्टर कहते हैं, माइग्रेन की समस्या लोगों में अलग-अलग कारणों से हो सकती है। वैसे तो इसे आनुवांशिक माना जाता है पर कुछ और स्थितियां हैं जो माइग्रेन को ट्रिगर कर सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक महिलाओं में मासिक धर्म के समय होने वाले हार्मोनल परिवर्तन के कारण भी माइग्रेन का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा तनाव, अवसाद, चिंता और उत्तेजना जैसी स्थितियां भी माइग्रेन को बढ़ावा दे सकती हैं। कई अध्ययनों में पाया गया है कि जो लोग शराब, कैफीन, चॉकलेट आदि का सेवन अधिक करते हैं, उनमें भी माइग्रेन का खतरा अधिक हो सकता है।सबसे खास बात कई प्रकार के पर्यावरणीय कारक जैसे टिमटिमाती स्क्रीन, तेज गंध, तेज आवाज, तापमान में बदलाव और तेज रोशनी भी माइग्रेन का कारण बन सकती है।

अलर्ट-अगले महीने आ सकती है कोरोना की तीसरी लहर, बचने के लिए अभी से अपना लें ये चार नियम

संजय शर्मा

देश में कोरोना संक्रमण के दैनिक मामले अभी 30-35 हजार के ऊपर ही बने हुए हैं। ऐसे में तीसरी लहर के खतरे की आशंका ने सरकार से लेकर लोगों तक को चिंता में डाल दिया है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानी आईसीएमआर डिवीजन ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड कम्युनिकेबल डिजीज के प्रमुख डॉ. समीरन पांडा ने अनुमान जताया है कि अगले महीने यानी अगस्त के अंत तक देश में कोरोना की तीसरी लहर आ सकती है। हालांकि अनुमान यह भी जताया गया है कि तीसरी लहर का प्रभाव दूसरी लहर के मुकाबले थोड़ा कम होगा। लेकिन फिर भी इससे बचाव जरूरी है। चूंकि कोरोना की दूसरी लहर में लाखों लोग संक्रमित हुए हैं और इस वजह से उनकी इम्यूनिटी काफी कमजोर हो गई है, इसलिए ऐसे लोगों को तो विशेष तौर पर सावधान रहना चाहिए। आइए जानते हैं कि कोरोना की संभावित तीसरी लहर से बचने के लिए कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी जरूरी हैं? मास्क पहनें मास्क पहनना, कोरोना से बचने के सबसे कारगर उपायों में से एक है, लेकिन इसके लिए भी जरूरी है कि मास्क सही तरीके से पहनें। ऐसा देखने को मिलता है कि कई लोग बिना मास्क के भी घूम रहे हैं और कई तो मास्क लगाकर भी नहीं लगाने जैसा व्यवहार कर रहे हैं, यानी मास्क को नाक और मुंह से नीचे करके रख रहे हैं। ऐसा बिल्कुल न करें। यह आपके और आपके परिवार के लिए खतरनाक हो सकता है। सुरक्षित शारीरिक दूरी अपनाएं कोरोना से बचने के लिए सुरक्षित शारीरिक दूरी का पालन करना अति आवश्यक है, क्योंकि कोरोना के कई मरीज बिना लक्षण

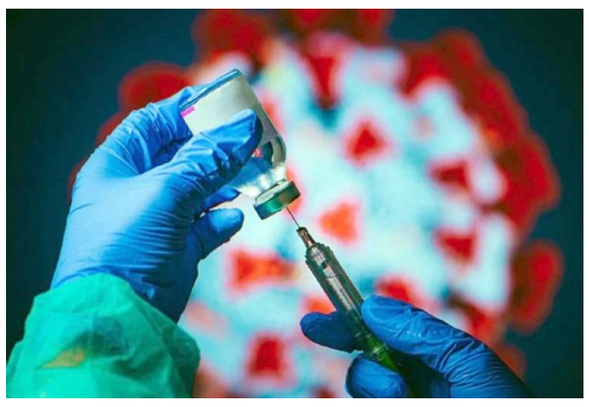

वाले भी होते हैं, जिसका पता आपको नहीं चलता और हो सकता है कि उसके संपर्क में आने से आप भी संक्रमित हो जाएं। इसलिए बाहरी लोगों को उचित दूरी बनाकर रखें और कोशिश करें कि भीड़-भाड़ वाली जगहों पर न जाएं। नियमित रूप से हाथ धोते रहें यह भी कोरोना से बचने के नियमों में शामिल है। अगर आप घर पर भी हैं तो यह जरूरी है कि साबुन और पानी से कम से कम 20 सेकेंड तक अच्छी तरह से अपने हाथ धोएं और अगर कहीं बाहर गए हैं और साबुन-पानी की व्यवस्था नहीं है, तो सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। वैक्सीन जरूर लगवाएं देश में अब तक 39 करोड़ 13 लाख से अधिक कोरोना के टीके लगाए जा चुके हैं और टीकाकरण अभियान जारी है। विशेषज्ञ कहते हैं कि सभी को वैक्सीन लगवानी जरूरी है, यह भले ही आपको संक्रमण से न बचाए, लेकिन बीमारी की गंभीरता से जरूर बचाती है।नोट: डॉ. राजन गांधी अत्यधिक योग्य और अनुभवी जनरल फिजिशियन हैं। इन्होंने कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से अपना एमबीबीएस पूरा किया है। इसके बाद इन्होंने सीएच में डिप्लोमा पूरा किया। फिलहाल यह उजाला सिग्नस कुलवंती अस्पताल, कानपुर में मेडिकल डायरेक्टर और सीनियर कंसल्टेंट फिजिशियन के तौर पर काम कर रहे हैं। यह आईएमए (इंडियन मेडिकल एसोसिएशन) के आजीवन सदस्य भी हैं। डॉ. राजन गांधी को इस क्षेत्र में 25 साल का अनुभव है। अस्वीकरण: अमर उजाला की हेल्थ एवं फिटनेस कैटेगरी में प्रकाशित सभी लेख डॉक्टर, विशेषज्ञों व अकादमिक संस्थानों से बातचीत के आधार पर तैयार किए जाते हैं। लेख में उल्लेखित तथ्यों व सूचनाओं को अमर उजाला के पेशेवर पत्रकारों द्वारा जांचा व परखा गया है। इस लेख को तैयार करते समय सभी तरह के निर्देशों का पालन किया गया है। संबंधित लेख पाठक की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। अमर उजाला लेख में प्रदत्त जानकारी व सूचना को लेकर किसी तरह का दावा नहीं करता है और न ही जिम्मेदारी लेता है। उपरोक्त लेख में उल्लेखित संबंधित अस्वीकरण- बीमारी के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

वेट लॉस के लिए रोजाना पिएं किशमिश का पानी, जानें कैसे रखें

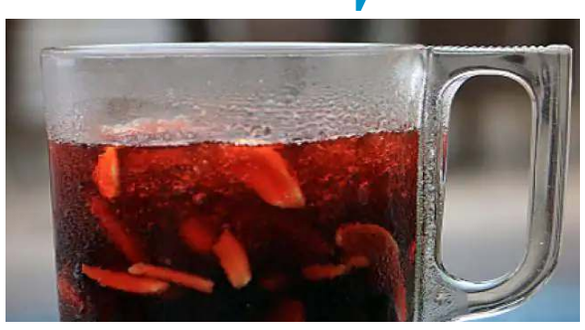

कई लोग ऐसे होते हैं जिन्हें ड्राई फूट्स डाइजेस्ट नहीं होते यानी उनके शरीर का टेम्परेचर बहुत गर्म होता है इसलिए उन्हें कोई भी गर्म चीज डाइजेस्ट नहीं हो पाती। ऐसे में वे ड्राई फ्रूट्स नहीं खाते लेकिन इम्युनिटी बढ़ाने के साथ ड्राई फ्रूट्स कई बीमारियों से भी बचाते हैं। ऐसे में अगर आपको भी ड्राई फ्रूट्स डाइजेस्ट नहीं होते, तो आप इन्हें भीगाकर खा सकते हैं। वहीं कुछ ड्राई फ्रूट्स ऐसे हैं जिनका पानी पीने से भी आप स्वस्थ रहते हैं। आज हम आपको किशमिश का पानी पीने के फायदे बता रहे हैं।

ऐसे रखें किशमिश का पानी

2 कप पानी और 150 ग्राम किशमिश लें। एक पैन में, पानी डालें और उबाल लें। किशमिश को इसमें डालें और इसे रात भर भिगो दें। सुबह इस पानी को छान लें और धीमी आंच पर गर्म करें। इस पानी को सुबह खाली पेट पिएं। सुनिश्चित करें कि इस पानी को पीने के बाद अगले 30 मिनट तक आप कुछ न खाएं पिएं।

इसे पीने के फायदे

-किशमिश का पानी पीने से आपको अपने शरीर से सभी हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलेगी। यह ड्रिंक लीवर की जैव रासायनिक प्रक्रिया में सुधार करता है और आपको रक्त को साफ करने में मदद करता है।

-किशमिश का पानी आपके रक्त के शुद्धिकरण का काम करता है और आपके दिल की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है। यह आपके शरीर से खराब कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करता है। -सुबह किशमिश का पानी पीने से भी आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है। किशमिश फ्रुक्टोज और ग्लूकोज से भरपूर होता है, जो आपको ऊर्जा से भरपूर रखता है। -किशमिश में फाइबर होता है, जो आपके पाचन तंत्र के लिए बहुत अच्छा होता है। किशमिश का पानी पीने से पाचन में सुधार करने में मदद मिलती है। यह कब्ज और अपच जैसी समस्याओं को भी दूर कर सकता है।

-किशमिश में बोरोन होता है जो हड्डियों के निर्माण में मदद करता है। किशमिश में कैल्शियम भी होता है, जो हड्डियों के लिए बहुत अच्छा है।

बाथरूम में कुछ लोग क्यों लगाते हैं ज्यादा टाइम? आदत ही नहीं, यह भी है वजह

तुम बाथरूम में परमानेंट शिफ्ट क्यों नहीं हो जाते?,

इसे नहाने के लिए पूरे दो घंटे चाहिए, इसने बाथरूम में डेरा डाला हुआ है... आपने या आपके घर के किसी सदस्य ने बाथरूम में ज्यादा देर तक कब्जा जमाने के लिए ये डायलॉग्स जरूर सुने होंगे! लेकिन क्या आप जानते हैं कि बाथरूम में ज्यादा समय लगाना आदत से ज्यादा एक सिंड्रोम है।

बाथरूम में क्यों लगाते हैं ज्यादा टाइम

जो लोग बाथरूम में बहुत अधिक वक्त लगाते हैं और उन्हें इस बात का अहसास भी नहीं होता तो इसका मतलब है कि उन्हें सायकॉलजिकल हेल्प की जरूरत है। क्योंकि वे ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर से गुजर रहे हो सकते हैं या फिर उन्हें इरिटेबल बॉल सिंड्रोम या डिल्यूजनल डिसऑर्डर की समस्या हो सकती है।

क्या होते हैं लक्षण

जो लोग ओसीडी से ग्रसित होते हैं उन्हें रीपिटेड थॉट्स आते हैं यानी कि उन्हें एक ही तरह के विचार बार-बार आते रहते हैं। ये विचार उन्हें परेशान करते हैं और उन विचारों के अनुसार ही वे एक काम को बार-बार करते रहते हैं। जैसे, कोई व्यक्ति बार-बार हाथ धोता रहता है।

कई बार तो यह दिक्कत इतनी बढ़ जाती है कि व्यक्ति एक दिन में एक साबुन तक खत्म कर देता है!

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : इस सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। परिवार में सुख-सुविधाओं के साधन जुटेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यापारी अपने कार्य को विस्तार देने में सफल होंगे। वर्तमान कार्य में बदलाव के साथ लाभ भी होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए तरक्की के रास्ते खुल रहे हैं।

वृषभ : यह सप्ताह कामकाज के लिहाज से अच्छा बीतेगा। पुराने रूके हुए काम इस सप्ताह शुरू हो जाएंगे। आर्थिक प्रगति के रास्ते पर आपके कदम बढ़ने लगेंगे। बिजनेस में लाभ की स्थिति बन रही है। इसमें किसी निकट के व्यक्ति का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरीपेशा लोग थोड़े परेशान रह सकते हैं, कार्यस्थल पर किसी से विवाद संभव है।

मिथुन : आप पिछले कुछ सप्ताहों से मानसिक रूप से परेशान चल रहे हैं तो अब शांति रहेगी। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात होगी जो आपके प्रत्येक कार्य में सहयोग करेगा। बिजनेस के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है। नौकरीपेशा के स्थानांतरण की संभावना दिख रही है।

कर्क : आपके लिए यह सप्ताह कुछ अच्छे समाचार लेकर आ रहा है। कोई बड़ी योजना साकार होने वाली है। भूमि, भवन, संपत्ति के अटके हुए काम पूरे होने की संभावना है। परिवार और समाज में आपका महत्व बढ़ने वाला है। आपके कार्य कोई अटकेंगे नहीं। आर्थिक संकट से भी छुटकारा मिलता दिख रहा है। तरक्की के रास्ते खुलेंगे।

सिंह : यह सप्ताह बहुत शुभ रहने वाला है। आपके आत्मविश्वास और एनर्जी में बढ़ोतरी होगी, इसका कारण है आपके किसी बड़े काम का पूरा हो जाना। लंबे समय से जिस काम के लिए रूके हुए थे वह इस सप्ताह पूरा कर सकते हैं। नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो बिलकुल कर सकते हैं। यंग प्रोफेशनल्स को जॉब के ऑफर आएंगे।

कन्या : सप्ताह आपके लिए मिलाजुला रहेगा। पेट खराब हो सकता है, इसलिए खानपान का खास ध्यान रखें। बारिश की मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं। देर रात भोजन करने से बचें। परिवार में किसी मांगलिक कार्य का अवसर आ रहा है। आर्थिक स्थिति के लिए समय अच्छा है। आय के नए स्त्रोत विकसित करेंगे।

तुला : इस सप्ताह सलाह है कि आप अपने क्रोध और वाणी पर काबू रखें, चाहे कोई कितना भी आपको भड़काने का प्रयास करे। अनावश्यक विवादों में पड़ने से आपका समय और धन दोनों ही खर्च होगा। खर्च पर भी नियंत्रण करना होगा। आजीविका के साधनों में कमी आने के संकेत हैं इसलिए सतर्क रहें।

वृश्चिक : इस सप्ताह आपके भौतिक सुखों में वृद्धि होने वाली है। अपने बढ़े हुए आत्मविश्वास के दम पर आप असंभव काम को भी संभव बना सकते हैं, बस जरूरत है अपने मन से नकारात्मक बातों को बाहर निकालने की। आर्थिक स्थिति सुखद रहेगी। पुरानी परेशानियां लगभग समाप्त होने वाली है।

धनु : मान-सम्मान, प्रतिष्ठा और सुखों में वृद्धि होगी। आर्थिक संकटों से बाहर आ जाएंगे और बचत करने की स्थिति रहेगी। आपके संयम और मृदु वाणी के कारण हर किसी को प्रभावित कर लेंगे। मानसिक शांति रहेगी। स्वजनों के सहयोग से किसी बड़े काम को पूरा करने में सफल होंगे। घर की अर्थव्यवस्था बेहतर रहेगी।

मकर : किसी की बात पर यदि क्रोध आए तो धैर्य रखें। परिवार में भाई-बहनों के साथ विवाद की स्थिति बन सकती है। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की केयर करना आवश्यक होगा। दांपत्य जीवन में पति-पत्नी दोनों को एक-दूसरे का ध्यान रखना होगा। सप्ताह के अंत में स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है। परिवार के बुजुर्गों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखने की जरूरत है।

कुंभ : धन, सम्मान और मानसिक सुकून ये तीन चीजें खासतौर पर मिलने वाली है। पैसा एक से अधिक जगहों से आएगा। इसलिए आपकी सुख-संपन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन शानदार रहेगा। संतान पक्ष और माता-पिता का पूर्ण सहयोग रहेगा। जीवनसाथी के साथ निजी संबंध यादगार रहेंगे। नया प्रेम संबंध प्राप्त हो सकता है।

मीन : यह सप्ताह आपके लिए अत्यंत शुभ है। खासकर आर्थिक स्थिति के लिए अच्छी खबरें देने वाला सप्ताह है। बिजनेस में तरक्की और विस्तार की योजनाएं साकार होंगी। नौकरीपेशा को अधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। प्रेम संबंधों के लिए समय ठीक है। नया प्रसंग आ सकता है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

चुटकुले

गप्पू घर पहुंचा तो नौकर ने बताया...

नौकर - थोड़ी देर पहले जिगरी दोस्त का फोन आया था।

गप्पू - तुझे कैसे पता कि वो मेरा जिगरी दोस्त है?

नौकर - उन्होंने आपको गाली देकर कहा था कि कहना मुझे फोन करे।

सोनू- मेरी पत्नी इतना मज़ाक करती है कि क्या बताऊं।

मोनू- कैसे ?

सोनू- कल मैंने उसकी आंखों पर हाथ रख कर पूछा

मैं कौन? तो वो बोली "सब्जी वाला"

एसपी ऑफिस को घेरने बढ़े किसान, बैरिकेड तोड़े, सुरक्षाबलों की दर्जनों कंपनियां तैनात

विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा की गाड़ी पर पथराव के आरोपी पांच किसानों पर राजद्रोह के तहत केस दर्ज करने के मामले में शुक्रवार को प्रशासन की किसान नेताओं के साथ बैठक बेनतीजा रही थी। पांचों किसानों की रिहाई की मांग पर अड़े किसानों ने शनिवार को एसपी कार्यालय का घेराव कर दिया। सुबह ही भगत सिंह स्टेडियम में किसान जुटने लगे थे। किसान नेता लखविंदर सिंह ने बताया कि किसान नेता राकेश टिकैत, योगेंद्र यादव, बलबीर राजेवाल भी प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। इसके चलते प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है और भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। एसपी ऑफिस का घेराव करने बढ़े किसानों ने बैरिकेड तोड़ दिए।शुक्रवार को लघु सचिवालय में उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक अर्पित जैन, एडीसी उत्तम सिंह ने लघु सचिवालय में किसान लखविंद्र सिंह औलख, मैक्स साहुवाला, हैप्पी रानियां, गुरप्रेम देसूजोधा, बलवंत सिंह के साथ बैठक की। किसानों ने कहा कि पुलिस ने 11 जुलाई के दिन उनके किसान नेताओं को गिरफ्तार किया, जबकि वे शांतिमय तरीके से रोष प्रदर्शन कर रहे थे। किसानों ने कहा कि पुलिस ने उनके खिलाफ राजद्रोह की धारा किस आधार पर लगाई। हमने क्या अपने ही देश के खिलाफ विद्रोह किया। इस पर पुलिस अधिकारी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। वहीं बैठक में प्रशासन द्वारा किसानों से कहा गया कि वे शहीद भगत सिंह स्टेडियम के बजाय

दशहरा ग्राउंड और ग्लोबल सिटी स्पेस में प्रदर्शन करें। शहीद भगत सिंह स्टेडियम में भीड़ इकट्ठा करने पर अनियंत्रित हो सकती है। इसके जवाब में बैठक में शामिल किसान नेताओं ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा के निर्देश पर यह फैसला लिया गया है। वहीं उन्होंने स्पष्ट कहा कि उन्होंने शहीद भगत सिंह स्टेडियम में ही किसानों को इकट्ठा करने की कॉल की है, किसान अपने वाहन तो दशहरा ग्राउंड में खड़े कर सकते हैं। मगर एसपी कार्यालय का घेराव हर हाल में किया जाएगा।किसानों के प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस छावनी बना सिरसाकिसानों के प्रदर्शन के मद्देनजर लघु सचिवालय के मुख्यद्वार समेत आसपास के इलाके को सील कर दिया गया। सिरसा पुलिस ने प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस की पांच कंपनियां, आर्म्ड पुलिस की चार कंपनियां, आईआरबी की चार कंपनियां समेत रैपिड एक्शन फोर्स की 10 कंपनियां मांगी है। शुक्रवार शाम तक रैपिड एक्शन फोर्स की चार व महिला पुलिस की तीन कंपनियां सिरसा पहुंच भी गई। ड्रोन से भी प्रदर्शन पर नजर रखी जाएगी। इससे पहले इस मामले पर शुक्रवार को प्रशासन की किसान नेताओं के साथ बैठक बेनतीजा रही।

किसान संगठन पांचों किसानों की रिहाई की मांग पर अड़े रहे। प्रदर्शन में पंजाब और राजस्थान से भी जुटेंगे किसानकिसान नेता लखविंद्र सिंह औलख ने बयान जारी कर कहा कि पांचों किसानों की रिहाई के लिए एसपी कार्यालय का घेराव किया जाएगा। यह घेराव अनिश्चितकालीन होगा। इसके लिए संयुक्त किसान मोर्चा से जगजीत सिंह दल्लेवाल, बलदेव सिंह सिरसा और अभिमन्यु कोहाड़ सिरसा पहुंचेंगे। औलख ने कहा कि इसमें पंजाब, राजस्थान के भी किसान शामिल होंगे। यह घेराव तब तक जारी रहेगा, जब तक पांचों किसानों की रिहाई नहीं होती। पुलिस कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द। कसानों के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने शुक्रवार को छुट्टी पर गए कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी है। साथ ही नई छुट्टी के लिए आए आवेदनों को रोक दिया गया। सभी पुलिस कर्मचारियों को ड्यूटी पर से बुला लिया गया। वहीं पुलिस ने बाल भवन, सदर थाना, दक्ष प्रजापति चौक के पास अवरोधक लगाने शुरू कर दिए। पुलिस विभाग ने अधीनस्थ स्टाफ को बाहर से आई पुलिस कर्मचारी और रैपिड एक्शन फोर्स की संख्या को देखकर पांच हजार कर्मचारियों का खाना तैयार करने का आदेश दिया गया है।

अटकलें-कर्नाटक के सीएम दे सकते हैं इस्तीफा! पूछे जाने पर येदियुरप्पा ने दिया यह जवाब

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के शुक्रवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के बाद से अटकलों का बाजार गर्म है। चर्चा है कि सीएम येदियुरप्पा जल्द अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस्तीफे के पीछे की वजह बढ़ती उम्र और खराब सेहत का हवाला दिया गया है। येदियुरप्पा ने शनिवार को इन खबरों को खारिज करते हुए कहा कि ये सच नहीं है। इसी बीच, येदियुरप्पा ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की।मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने अपने इस्तीफे की अटकलों को शनिवार को खारिज करते हुए कहा कि इनमें कोई सच्चाई नहीं है। इस सवाल पर कि क्या उन्होंने इस्तीफा दे दिया, यहां कर्नाटक भवन में येदियुरप्पा ने पत्रकारों से कहा, 'बिल्कुल भी नहीं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि अफवाह में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वह बेंगलुरु लौटने से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करेंगे। बता दें कि येदियुरप्पा भाजपा प्रमुख और केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करने के बाद शनिवार को बेंगलुरु लौटेंगे। येदियुरप्पा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी और कावेरी नदी पर मेकेदतु परियोजना समेत राज्य के लंबित कार्यों पर चर्चा की। यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब राजनीतिक हलकों में ये अटकलें लगाईं जा रही हैं कि येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटाया जा रहा है।कर्नाटक भाजपा के कुछ असंतुष्ट नेता येदियुरप्पा और उनके परिवार पर भ्रष्टाचार तथा प्रशासन में हस्तक्षेप के आरोपों को लेकर निशाना साध रहे हैं, जिससे पार्टी तथा सरकार की फजीहत हुई है। पार्टी का एक अन्य धड़ा 79 वर्षीय येदियुरप्पा को उनकी उम्र को देखते हुए हटाने की मांग कर रहा है तथा 2023 के विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री का नया चेहरा पेश करने की जरूरत पर जोर दे रहा है। मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल पर येदियुरप्पा ने प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात से पहले कहा था, ''अगर मंत्रिमंडल में फेरदबल या विस्तार पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ कोई चर्चा होती है तो मैं आपको बताऊंगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय: 2 अगस्त से शुरू होगी प्रवेश प्रक्रिया, कुलपति ने दी जानकारी, यहां देखें पूरी डिटेल्स

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया 2 अगस्त से शुरू की जाएगी। यह जानकारी शनिवार को विश्वविद्यालय के कुलपति पीसी जोशी ने दी है। उन्होंने बताया कि स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 26 जुलाई से शुरू होगी। जबकि यूजी और पीजी कार्यक्रमों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि क्रमश: 31 अगस्त और 21 अगस्त निर्धारित की गई है। पिछले वर्ष की तरह होगी शुल्क संरचनाप्राप्त जानकारी के मुताबिक विश्वविद्यालय ने अभूतपूर्व स्थिति को ध्यान में रखते हुए, छात्रों की सुविधा के लिए, शुल्क संरचना और पात्रता मानदंड पिछले वर्ष की तरह ही रखे हैं। इसके साथ ही कॉलेजों से कहा गया है कि वे छात्रों से कोई अतिरिक्त फॉर्म न भरने को कहें।कोरोना की वजह से ऑनलाइन होगी पूरी प्रक्रियाइस वर्ष, प्रवेश प्रक्रिया के लिए आवेदन करने से लेकर शुल्क के भुगतान तक पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। सभी ट्रायल-आधारित प्रवेश (खेल + ईसीए) भी ऑनलाइन किए जाएंगे। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी आरक्षित सीटों पर दाखिला पूरी तरह से प्रमाणपत्रों के आधार पर होगा।

लखीमपुर में बदसलूकी का शिकार हुई महिला से मिलीं प्रियंका गांधी, प्रदेश सरकार को घेरा

प्रियंका गांधी शनिवार को लखनऊ से सीधे खीरी के सेमरा घाट पहुंची। यहां पर उन्होंने पीड़ित महिलाओं से बात की और उन्हें मदद का भरोसा दिया। मीडिया से बातचीत में प्रियंका ने कहा कि चुनाव लड़ने का लोकतांत्रिक अधिकार छीने गए हैं। वो महिलाएं मेरी बहन हैं, मैं अपनी बहनों से मिलने आई हूं। प्रियंका ने पसगवां ब्लॉक प्रमुख का चुनाव रद करने की मांग की। प्रियंका ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन चुनावों में जीत की तारीफ की, जहां हिंसा हुई और बम चले। प्रियंका 20 मिनट तक पसगवां कांड की पीड़िताओं से बात की। प्रियंका गांधी का काफिला 11:20 पर सेमरा पहुंचा। उनके साथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और कांग्रेस प्रवक्ता सुधांशु वाजपेयी भी थे। प्रियंका कार से उतरकर सीधे घर में गईं। बन्द कमरे में पीड़िताओं से बात की। वहीं पुलिस ने तमाम कार्यकर्ताओं को गेट पर रोक दिया। बता दें कि ब्लॉक प्रमुख के चुनाव में पसगवां में सपा की प्रत्याशी व महिला प्रस्तावक के साथ अभद्रता व कपड़े फाड़ने का मामला गर्माया था।

राजस्थान में मिला कलयुग का 'कुंभकर्ण' ,लगातार सोता है 300 दिनों तक

देर तक सोने के लिए हम सभी ने अपने घरों में कभी न कभी रामायण के एक पात्र 'कुंभकर्ण' वाला ताना सुना ही होगा। लेकिन क्या वास्तव में कोई कुंभकरण जैसी लंबी नींद ले सकता है? कहा जाता है कि कुंभकरण 6 माह तक सोता था लेकिन राजस्थान में एक ऐसा शख्स मिला है जिसने कुंभकर्ण को भी पीछे छोड़ दिया है। वह लगातार 10 महीने यानी 300 दिनों तक सोता रहता है। यहां के नागौर के रहने वाला 42 साल का पुरखाराम 300 दिन सोता है और बाकी का समय अपना छोटा मोटा काम कर गुजारा करता है। ये कोई सामान्य बात नहीं है। दरअसल, इस व्यक्ति को एक खास तरह की बीमारी है जिसकी वजह से उसकी ये हालत है।

श्रद्धांजलि-अमित शाह ने शहीदों को किया नमन, बोले- अर्धसैनिक बलों के दम पर दुनिया में बढ़ा भारत का गौरव

बीएसएफ समारोह को संबोधित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने देश के लिए जान देने वाले जवानों को नमन किया। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि बीएसएफ और सीमाओं की रक्षा करने वाले हमारे सुरक्षा बलों के जवानों ने आज भारत का नाम रोशन किया है। अर्धसैनिक बलों के दम पर भारति वश्व मानचित्र पर अपनी छाप छोड़ रहा है। दुनिया में भारत की स्थिति मजबूत करने के लिए इन वीर योद्धाओं को भुलाया नहीं जा सकता। मैं उन लोगों को नमन करता हूं जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। बांग्लादेश की आजादी में बीएसएफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई- अमित शाहअलंकरण समारोह में गृह सचिव अजय भल्ला और खुफिया ब्यूरो के निदेशक अरविंद कुमार भी मौजूद थे। अमित शाह ने बीएसएफ की स्थापना के बारे में बताया कि तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में मानवाधिकारों का हनन हो रहा था। महिलाओं और बच्चों को प्रताड़ित किया जा रहा था। बीएसएफ के जवानों ने बांग्लादेश को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।बीएसएफ के संस्थापक खुसरो फरामुर्ज रुस्तमजी की चर्चा करते हुए शाह ने कहा कि रुस्तमजी के नेतृत्व में ऑपरेशन की अगुवाई की गई थी, जिसके बाद बांग्लादेश अलग मुल्क बना।

कोरोना से जंग जीतने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण जरुरी है -पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम

पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने कहा कि कोरोना से जंग के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण जरूरी है। उन्होंने कहा कि पूरी आबादी का टीकाकरण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से ही इस महामारी का मुकाबला किया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने ने 'वैक्सीन राष्ट्रवाद' पर चिंता जताते हुए कहा कि इसने महामारी से लड़ने की वैश्विक भागीदारी की भावना को चोट पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि इस महामारी ने बच्चों को शिक्षा से वंचित कर दिया है, रोजगार चला गया है और लोगों के बीच असमानता की खाई को और भी गहरा कर दिया है। इस महामारी के दो चिंताजनक पहलू हैं, पहला तो स्वयं यह महामारी और दूसरा लोकतंत्र पर इसका प्रभाव। उन्होंने कहा कि इस वैश्विक महामारी ने दुनिया के हर देश की शासन प्रणाली पर चाहे वह लोकतंत्र हो, राजतंत्र हो या फिर तानाशाही हो, सभी को प्रभावित किया है। चिदंबरम ने कहा कि लोकतंत्र में आलोचना का होना स्वाभाविक है और इसीलिए यह दूसरे प्रकार की शासन प्रणालियों से अलग होता है। उन्होंने कहा कि कई देशों में 'वैक्सीन राष्ट्रवाद' का अनोखा चलन देखने को मिला है, यानी जो वैक्सीन मैंने बनाई या मैं खरीद सकता हूं, वह मेरी है या अपनी वैक्सीन प्रमोट करने के लिए मैं दूसरे की वैक्सीन को अनुमति नहीं दूंगा। पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम के अनुसार इस चलन ने महामारी से लड़ने के वैश्विक सहयोग की भावना को नुकसान पहुंचाया है। चिदंबरम ने कहा कि सक्षम देशों द्वारा उनकी आबादी के मुकाबले दो या तीन गुना टीके की खरीद की वजह से कई छोटे और गरीब देश टीके की उपलब्धता के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्हें जरूरत है मगर उन्हें टीका नहीं मिल पा रहे। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के समय में हमारे देश में भी केंद्रीकरण, टीकाकरण कार्यक्रम की सही योजना और क्रियान्वयन, शिक्षा और हेल्थकेयर संसाधन, सामाजिक और आर्थिक असमानता, विधि के शासन और वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सबसे बड़ी चुनौतियों के रूप में सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इस महामारी से लड़ने में हमारी कमजोरियां जाहिर हुई हैं, जिनका हमारे पास कोई जवाब नहीं है।उन्होंने कहा कि इस महामारी ने हर शासन पद्धति की कमियों को सामने ला दिया है। उन्होंने कहा कि कोई भी लोकतंत्र तभी सही मायनों में लोकतंत्र है, जब उसका प्रधानमंत्री हर दिन और अपने हर कार्य में संसद के प्रति जवाबदेह हो और उस लोकतंत्र में एक जागरूक संसद और लोगों के प्रश्न पूछने वाली मीडिया भी मौजूद हो। उन्होंने कहा कि यह जानने और समझने की जरूरत है कि हमारे देश में 'रूल ऑफ लॉ' है ना की 'रूल बाय लॉ'। चिदंबरम ने कहा कि लोकतंत्र में जवाबदेही से बचने वालों को भी आखिरकार तो जवाब देना ही होता है। उन्होंने कहा कि इस कोरोना के समय में केंद्रीकरण का खात्मा हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।उन्होंने कहा कि समय पर टीके की आपूर्ति के लिए ऑर्डर नहीं करना, मूल्य की पेशगी नहीं देना और दो के अलावा अन्य टीकों को आपात इस्तेमाल की मंजूरी नहीं देने की बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा कि यह अपार खेद का विषय है कि पिछले दशक में 27 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया था, और केवल पिछले दो ही सालों में हमने फिर से 23 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा के नीचे धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि हमें इसका भी जवाब ढूंढना होगा कि इस महामारी के दौरान देश में असंख्य गरीब बच्चे पढ़ाई में अपने साथ वालों से सिर्फ इसलिए पीछे छूट गए हैं, कि उनके पास ऑनलाइन पढ़ाई के लिए जरूरी संसाधन नहीं हैं।पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समस्या का समाधान करना भी इस कोरोना काल में एक चुनौती के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि हो सकता है आने वाले समय में इस महामारी की दवा खोज ली

जाए या पोलियो और चेचक की तरह इसे पूरी तरह खत्म कर दिया जाए, लेकिन यह प्रश्न हमेशा हमारे सामने रहेगा कि क्या हमारे देश का लोकतंत्र इस महामारी की चुनौतियों का सामना कर पाया और क्या लोगों की जान, उनकी आजीविका और जनता, खासकर बच्चे और निर्धन के कल्याण को संरक्षण दे सका। इस महामारी ने पूरे विश्व को प्रभावित किया है और लोकतांत्रिक देशों के लिए महामारी का यह दौर सबसे कठिन है।

खेल जगत

आमने-सामने-भारत-श्रीलंका पहला एकदिवसीय आंकड़ों से जानें कौन किस पर भारी

शिखर धवन की अगुवाई में श्रीलंका दौरे पर गई टीम इंडिया युवा जोश और अनुभव से लबरेज है।

भारत और श्रीलंका के बीच एकदिवसीय सीरीज शुरू ऐसे में एक दूसरे को पछाड़ने के लिए दोनों टीमें जमकर अभ्यास कर रही हैं। श्रीलंका दौरे पर सीमित ओवरों की सीरीज खेलेने गई युवा भारतीय टीम के कप्तान शिखर धवन हैं। वहीं श्रीलंका क्रिकेट ने वनडे सीरीज को देखते हुए दासुन शानाका को टीम की बागडोर सौंपी है। दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 18 जुलाई को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। आइए हम आपको भारत और श्रीलंका के बीच अब तक खेले गए एकदिवसीय मैचों के परिणाम के बारे में बताते हैं। भारत और श्रीलंका के जब कभी एकदिवसीय सीरीज का आयोजन हुआ तो ज्यादातर टीम इंडिया भारी पड़ी। दोनों टीमों के दरम्यान अब तक 159 वनडे मैच खेले गए हैं। इन 159 मुकाबलों में से भारत ने 91 मैच जीते हैं। जबकि श्रीलंका की टीम 56 मैचों में जीत हासिल की। इस दौरान दोनों देशों के बीच एक मैच टाई रहा जबकि 11 मुकाबलों का परिणाम नहीं निकला। आर प्रेमदासा क्रिकेट मैदान पर भी वनडे मैचों में भारत का जलवा रहा है। श्रीलंका की टीम इस मैदान पर भारत के विरुद्ध आखिरी बार 12 साल पहले 12 दिसंबर 2009 को वनडे मैच जीती थी। उसके बाद से दोनों टीमों के बीच अब तक इस मैदान पर 5 मुकाबले खेले गए। इन सभी मैचों में भारत के आगे श्रीलंका को मुंह की खानी पड़ी। यानी भारत कोलंबो में करीब 12 साल से एकदिवसीय मैचों में श्रीलंका से नहीं हारा है। वहीं श्रीलंका के हालिया प्रदर्शन को देखा जाए तो उसे इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। जबकि भारत ने घरेलू सीरीज के दौरान इंग्लैंड को तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 2-1 से पटखनी दी थी। श्रीलंका दौरे पर गई टीम इंडिया में युवा जोश और अनुभव का संगम है। टीम में जहां कई नए खिलाड़ियों को मौका मिला है वहीं शिखर धवन, भुवनेश्वर कुमार, हार्दिक पांड्या, कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। उधर श्रीलंका की टीम के लिए बीते दिनों सब कुछ ठीक नहीं रहा। टीम में अनुबंध विवाद से लेकर कप्तान बदलना और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों का संन्यास लेना जैसे मुद्दे छाए रहे। ऐसे हालात में श्रीलंका की टीम भारत के सामने किस स्तर का प्रदर्शन करेगी यह देखने वाली बात होगी।

टी-20 विश्व कप-भारत-पाकिस्तान मैच पर भुवनेश्वर कुमार का पहला बयान, कह दी बड़ी बात

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला हमेशा काफी रोमांचक होता है। मगर टीम इस समय टी-20 विश्व कप के बारे में नहीं सोच रहा है क्योंकि इस आईसीसी टूर्नामेंट से पहले काफी क्रिकेट खेला जाना है। भारत और पाकिस्तान को शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा घोषित किये गए टी-20 विश्व कप के पूल में एक ही ग्रुप में रखा है जो 17 अक्तूबर से 14 नवंबर तक यूएई और ओमान में खेला जाएगा।भुवनेश्वर इस समय सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका में हैं, उन्होंने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'देखिए, पाकिस्तान के खिलाफ खेलना हमेशा रोमांचक होता है और इस मैच में हमेशा दबाव रहता है इसलिए यह निश्चित रूप से बेहद कड़ा मुकाबला होगा।' उन्होंने कहा, 'लेकिन ईमानदारी से कहूं तो हमने इसके बारे में कुछ सोचा नहीं है, कि यह कैसा होगा क्योंकि अभी इससे पहले काफी क्रिकेट बचा है। हमें श्रीलंका में मैच खेलने हैं, इंग्लैंड में टेस्ट मैच हैं, फिर आईपीएल है, जिसके बाद विश्व कप होगा।' 31 साल के तेज गेंदबाज ने कहा, 'लेकिन एक बार आईपीएल खत्म होता है तो हम इसके बाद हम विश्व कप के बारे में सोचना शुरू कर देंगे।टेस्ट में भविष्य को लेकर कही बड़ी बातभुवनेश्वर कुमार क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में से किसी एक को प्राथमिकता नहीं देना चाहते लेकिन वह भविष्य में एक बार फिर टेस्ट क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं। इंग्लैंड में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के दौरान उनकी कमी महसूस की गई। मगर अब उन्होंने हाल में हो रही चर्चाओं के संबंध में बात साफ कर दी, जिसमें कहा जा रहा था कि वह खुद ही खेल के पारंपरिक प्रारूप में नहीं खेलना चाहते। अगले 12 से 18 महीने के चक्र में टेस्ट क्रिकेट खेलने के बारे में उनका क्या विचार है तो उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए कोई प्राथमिकता नहीं है भले ही यह लाल गेंद का क्रिकेट हो या फिर सफेद गेंद का। अगर मैं लाल गेंद के क्रिकेट के लिये चुना जाता हूं और मैं टीम का हिस्सा होता हूं तो मैं निश्चित रूप से योगदान करने की कोशिश करूंगा।

टोक्यो के खेल गांव में मिला कोरोना संक्रमण का पहला मामला, आयोजकों ने की पुष्टि

टोक्यो ओलंपिक के आयोजन पर लगातार संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इस बीच टोक्यो ओलंपिक आयोजकों ने पुष्टि की है कि खेल गांव परिसर में कोरोना संक्रमित का एक मामला सामने आया है। खेलों के महाकुंभ की शुरुआत 23 जुलाई से होनी है। खेल गांव में कोरोना का मामला आने पर ओलंपिक के आयोजन पर कई सवाल खड़े हो गए हैं. हालांकि कोविड-19 वैश्विक महामारी के देखते हुए टोक्यो में 6 हफ्ते का कोरोना आपातकाल लागू है। पिछले कुछ दिनों में अगर देखा जाए तो टोक्यो में कोरोना संक्रमितों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि जिस व्यक्ति का परीक्षण पॉजिटिव आया है वह खिलाड़ी नहीं है। ओलंपिक खेल 23 जुलाई से शुरू होंगे और उससे एक सप्ताह पहले ही खेल गांव को खोला गया। आयोजन समिति की अध्यक्ष सीको हाशिमोतो सहित अन्य अधिकारियों ने भी मामले की पुष्टि की और बताया कि पॉजिटिव मामला शुक्रवार को आया। आयोजन समिति के सीईओ तोशिरो मुतो ने कहा, यदि मौजूदा हालात में परीक्षण पॉजिटिव आते हैं तो यह मानना चाहिए कि यह संभव है। इस व्यक्ति की पहचान खेलों से संबंधित व्यक्ति के रूप में की गई। उसे जापान के अनिवासी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इस बीच टोक्यो अधिकारियों ने कहा कि उसे 14 दिन के पृथकवास पर भेज दिया गया है।ओलंपिक खेल गांव में यह कोरोना का मामला ऐसे समय में आया है जब खेलों की शुरुआत होने में 6 दिन बचे हैं। जापान सरकार ने टोक्यो में कोरोना का असर ज्यादा न हो उसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए हैं। लेकिन इसके बावजूद राजधानी में लगातार कोरोना संक्रमितों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जो चिंता विषय है। इसी हफ्ते टोक्यो में बीते छह महीने में सबसे ज्यादा कोरोना को मामले आए थे।

देश परदेश

कोरोना महामारी- शराब से लिवर संबंधी बीमारियों से मौतों में 21 फीसदी इजाफा

- ***1.26 करोड़ अधिक लीटर शराब तो घर में पी गए ब्रिटेन के लोग***
- ***2020 में 80.3 फीसदी मौतों का कारण शराब से हुआ लिवर रोग***
- ***देश में भी लॉकडाउन खुलने के साथ जमकर हुई शराब की बिक्री***

कोरोना महामारी की शुरुआत के साथ ही शराब से होने वाले लिवर संबंधी बीमारियों से मौतों में 21 फीसदी का इजाफा हुआ है। पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड (पीएचई) के अनुसार ब्रिटेन में वित्त वर्ष 2020-21 के बीच 1.26 करोड़ अधिक लीटर शराब की बिक्री हुई है क्योंकि घर में कैद लोगों ने शराब अधिक पीना शुरू कर दिया।पीएचई की रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन में वर्ष 2020 में शराब के कारण मौतों की दर में 20.8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2019-20 की तुलना में इसमें 2.9 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। वर्ष 2019 में 5819 लोगों की मौत हुई।वहीं 2020 में मौतों का आंकड़ा बढ़कर 6893 हो गया है। सबसे हैरानी की बात ये है कि वर्ष 2020 में हुई 80.3 फीसदी मौतों का कारण शराब से होने वाली लिवर की बीमारी थी।पीएचई हैरान, घर बना मयखानापीएचई ने अपने शोध में पाया है कि महामारी से पहले जितनी शराब बिक्री के लिए जारी होती थी उतनी ही शराब महामारी में भी जारी की गई। हैरानी की बात ये है कि करीब 31 सप्ताह लॉकडाउन रहा, जिसमें पब, रेस्त्रां और बार इत्यादि बंद रहे। इसके बावजूद लोगों ने दुकान से शराब खरीदी और घर को ही मयखाना बना दिया, इसी कारण शराब की बिक्री में भी 24.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।शराब ने बढ़ाई मानसिक तकलीफमहामारी में शराब अधिक पीने के कारण वर्ष 2019-20 में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी तकलीफ से गुजरने वाले लोगों की संख्या में भी 10.8 फीसदी का इजाफा हुआ है। वर्ष 2018-19 में इस तरह के मामलों में केवल 1.1 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई थी। राहत ये है कि इस कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या घटी है। एल्कोहल पॉइजनिंग के मामलों में भी 15.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।ये बेहद गंभीर चिंता का विषयब्रिटिश लिवर ट्रस्ट के सीईओ डॉ. पमेला हेली का कहना है कि महामारी के बीच शराब के कारण लिवर संबंधी बीमारियां चिंता का विषय हैं। तनाव, अकेलापन और अन्य चिंताओं के कारण महामारी में घर पर रहते हुए शराब पीने की लत बढ़ी है, इसका सीधा असर लिवर पर पड़ता है।कोरोना फिर से हावी हो रहा है ऐसे में शराब के कारण लिवर संबंधी तकलीफ से ग्रसित मरीजों का इलाज मुश्किल होगा और जान जानी तय है।

ताकत में इजाफा: अमेरिकी नौसेना ने भारत को सौंपे दो एमएच-60आर हेलिकॉप्टर, जानें खासियत

भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को मजबूत करने का एक और संकेत देते हुए अमेरिकी नौसेना ने पहले दो एमएच-60 आर मल्टी रोल हेलीकॉप्टर्स भारतीय नौसेना को सौंपे।

भारतीय नौसेना अमेरिकी सरकार से विदेशी सैन्य बिक्री के तहत लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित ये 24 हेलिकॉप्टर खरीद रही है, जिनकी अनुमानित कीमत 2.4 अरब डॉलर है।सैन डिएगो के नौसैन्य हवाई स्टेशन नॉर्थ आइलैंड या एनएएस नॉर्थ आइलैंड में शुक्रवार को हुए समारोह में अमेरिकी नौसेना से भारतीय नौसेना को औपचारिक तौर पर हेलिकॉप्टर सौंपे। इस समारोह में अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू शामिल हुए।

राजदूत संधू ने कहा कि सभी मौसमों में काम करने वाले मल्टी रोल हेलिकॉप्टरों का बेड़े में शामिल होना भारत-अमेरिका द्विपक्षीय रक्षा संबंधों में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने ट्वीट किया, "भारत-अमेरिका की दोस्ती नयी ऊंचाइयां छू रही है।"

उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय रक्षा व्यापार पिछले कुछ वर्षों में 20 अरब डॉलर से अधिक तक फैल गया है। रक्षा व्यापार के अलावा भारत और अमेरिका रक्षा मंचों के सह-विकास पर भी साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

संधू ने हाल के समय में रक्षा क्षेत्र में भारत द्वारा उठाए सुधारात्मक कदमों का जिक्र किया जिससे विदेशी निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा हो गए हैं।

दुश्मनों को ऐसे धूल चटाएगा एमएच-60आरएमएच-60आर हेलिकॉप्टर सभी मौसमों में काम करने वाला हेलिकॉप्टर है, जिसे विमानन की नई प्रौद्योगिकियों के साथ कई मिशनों में सहयोग देने के लिए डिजाइन किया गया है। इन एमआरएच के शामिल होने से भारतीय नौसेना की त्रिआयामी क्षमताएं बढ़ेंगी।

हेलिकॉप्टरों को कई विशिष्ट उपकरण तथा हथियारों से भी लैस किया जाएगा। भारतीय चालक दल का पहला बैच अभी अमेरिका में प्रशिक्षण ले रहा है।

रक्षा विभाग के अनुसार, इस प्रस्तावित बिक्री से भारत की सतह-रोधी और पनडुब्बी रोधी युद्धक अभियानों की क्षमताएं बढ़ेंगी। भारत इन क्षमताओं का इस्तेमाल क्षेत्रीय खतरों से निपटने और अपने देश की रक्षा को मजबूत करने के तौर पर करेगा। भारत सरकार ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ऐतिहासिक यात्रा से हफ्तों पहले फरवरी 2020 में हेलिकॉप्टर की खरीद को मंजूरी दी थी।

कोरोना की उत्पत्ति: चीन में फिर जांच कराना चाहता है डब्ल्यूएचओ, कहा- शुरुआती आंकड़े नहीं मिलने से जांच में आई बाधा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना वायरस की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए चीन और वुहान की लैब में दोबारा जांच का प्रस्ताव रखा है।

चीन से निकल कर पिछले डेढ़ साल से कोरोना वायरस ने दुनिया भर में तबाही मचाई रखी है। कोरोना संक्रमण से अब तक दुनिया भर में करोड़ों लोग संक्रमित हो गए और लाखों लोगों की जान चली गई है। लेकिन अब तक दुनिया इस सवाल का जवाब नहीं ढूढ़ पाई है कि कोरोना वायरस की उत्पत्ति कैसे हुई? वहीं अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना वायरस की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए चीन और वुहान की लैब में दोबारा जांच का प्रस्ताव रखा है। हालांकि, चीन की तरफ से इस प्रस्ताव पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधनोम घेब्रेयेसस ने शुक्रवार को सदस्य देशों के साथ बंद कमरे में हुई बैठक में यह प्रस्ताव रखा था। इससे एक दिन पहले ही घेब्रेयेसस ने कहा था कि चीन में कोरोना वायरस के प्रसार के शुरुआती दिनों के आंकड़े नहीं मिलने से पहली जांच में बाधा आई थी।बता दें कि डब्ल्यूएचओ के नेतृत्व वाली एक टीम ने मार्च में वुहान का दौरा किया था। टीम के सदस्य कोरोना वायरस की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए चार हफ्ते तक वहां जांच पड़ताल करते रहे, लेकिन इस दौरान चीनी शोधकर्ता उनके साथ साये की तरह साथ बने रहे। बाद में संयुक्त रिपोर्ट में टीम ने किसी अन्य जानवरों के जरिये चमगादड़ों से मानव में कोरोना वायरस के फैलने की आशंका जताई थी। अमेरिका समेत कई देशों को इस रिपोर्ट पर यकीन नहीं हुआ। इसके बाद एकजुट सभी देशों ने दोबारा जांच कराए जाने की मांग की। विशेषकर वुहान लैब की, जहां चमगादड़ों पर प्रयोग किया जाता है। राजनयिकों ने कहा कि डब्ल्यूएचओ के प्रस्ताव में सिर्फ चीन में दोबारा जांच की बात कही गई है और वह भी खासकर वुहान के आसपास की प्रयोगशालाओं की।

आमिर शेख और ज़ोया ज़वेरी की गजब केमिस्ट्री, म्यूज़िक वीडियो "यारा" में सिंगर जावेद अली, साधना वर्मा ने दी आवाज़

सिंगर जावेद अली और साधना वर्मा की आवाज़ में एक लेटेस्ट गीत "यारा" इन दिनों चार्टबस्टर लिस्ट में शामिल है जो टी सीरीज ने रिलीज किया है। जावेद अली और साधना वर्मा द्वारा गाया गया टी-सीरीज़ का यह नया गाना "यारा" आज कल सुर्खियों में छाया हुआ है, जिसके वीडियो में आमिर शेख और ज़ोया ज़वेरी की खूबसूरत जोड़ी दिखाई दे रही है।

इस गाने में जावेद अली और साधना वर्मा ने अपनी आवाज से चार चांद लगा दिया है, जबकि इसका वीडियो भी बहुत सुंदर तरह से फिल्माया गया है। गाने का डायरेक्शन आज़ाद

हुसैन ने किया है। इस म्यूजिक वीडियो को आमिर शेख और ज़ोया ज़वेरी पे पिक्चराइज किया गया है। वीडियो की शुरुआत आमिर शेख की आवाज से होती है, फिर जावेद अली और साधना वर्मा की आवाज से गाने को उठान मिलती है। इस गाने का वीडियो बड़ी ही खूबसूरत लोकेशन्स पे शूट किया गया है, देख कर ऐसा लगता है जैसे यह किसी बड़ी फिल्म का गाना हो। आमिर शेख का लुक भी हमेश की तरह वीडियो में बहुत ही शानदार लग रहा है और ज़ोया ज़वेरी बहुत ही खूबसूरत और आकर्षक दिख रही हैं।

गौरतलब है कि जावेद अली बॉलीवुड के नामी सिंगर्स में से हैं, इन्होंने बॉलीवुड की बहुत बड़ी फिल्मो में सुपरहिट गाने गाए हैं, जैसे नकाब, गजनी, जोधा अकबर, युवराज, दिल्ली 6, रोबोट, रांझणा, दबंग 3 इत्यादि। जावेद अली सारे गामा और इंडियन आइडल शो में जज बनके भी आ चुके हैं।

साधना वर्मा का "यारा" बॉलीवुड में दूसरा गाना है। साधना वर्मा का पहला गाना था "अपनी कहानी" वो भी टी-सीरीज ने लॉन्च किया था। "अपनी कहानी" गाने को लोगो ने बहुत पसंद किया था। बॉलीवुड के दिग्गजो ने गाने को और साधना वर्मा की आवाज को बहुत सराहा। अपनी कहानी में साधना वर्मा के साथ शाहिद माल्या और आमिर शेख ने भी अपनी आवाज का जादू बिखेरा। इस गाने को मिलियन्स व्यूज भी मिले हैं।

साधना वर्मा का कहना है की फैमिली सपोर्ट और उनके पति संतोष वर्मा की वजह से वो आज यहां तक पहुंची हैं। वो अपने पति का जितना शुक्र अदा करे उतना कम है।

उल्लेखनीय है कि आमिर शेख बॉलीवुड के बहुत ही जाने माने अवार्ड विजेता साउंड इंजीनियर होने के साथ साथ बड़े अच्छे गायक भी हैं। आमिर शेख ने बॉलीवुड की बड़ी बड़ी फिल्मो के गानो की रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग और मास्टरिंग की है जैसे नमस्ते लंदन, बॉडीगार्ड, अपने, शाकालाका बूम बूम इत्यादि... आमिर शेख के सिंगर के रूप में भी बहुत से गाने टी-सीरीज, जी म्यूजिक, वीनस, वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स जैसी प्रसिद्ध म्यूज़िक कंपनियों से जारी किये गए हैं जिसमें वो बतौर एक्टर भी दिखाई दिए। ये पहला गाना है जिसमे जावेद अली की आवाज आमिर शेख पे फिल्माई गई है।

ज़ोया ज़वेरी "यारा" गीत करने से पहले भी काफ़ी काम कर चुकी हैं। ज़ोया ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग, रैंप शो, कैटलॉग शूट, प्रिंट शूट, कैलेंडर शूट से की।

उसके बाद ज़ोया ने बतौर ऐक्ट्रेस एक म्यूज़िक वीडियो में अभिनय किया जो सोनी म्यूज़िक से रिलीज हुआ जिसका नाम "नई नई आशिकी" है। फिर जी म्यूजिक से "तेरा होने चला" गाना आया जिसको बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला। ज़ोया ने एक साउथ की फिल्म में और रेड प्राइम की वेब सीरीज में लीड रोल किया है जो बहुत जल्द रिलीज होगी।

इस म्यूजिक वीडियो को बनाने में पूरी टीम ने बहुत मेहनत की है। पूरी टीम की मेहनत अब रंग ला रही है जब सब लोग इस गाने की सराहना कर रहे हैं।

गायक जावेद अली और साधना वर्मा द्वारा गाया गया टी-सीरीज़ का नया गाना "यारा"

सिंगर जावेद अली और साधना वर्मा की आवाज़ में एक लेटेस्ट गीत "यारा" इन दिनों चार्टबस्टर लिस्ट में शामिल है जो टी सीरीज ने रिलीज किया है। जावेद अली और साधना वर्मा द्वारा गाया गया टी-सीरीज़ का यह नया गाना "यारा" आज कल सुर्खियों में छाया हुआ है, जिसके वीडियो में आमिर शेख और ज़ोया ज़वेरी की खूबसूरत जोड़ी दिखाई दे रही है।

इस गाने में जावेद अली और साधना वर्मा ने अपनी आवाज से चार चांद लगा दिया है, जबकि इसका वीडियो भी बहुत सुंदर तरह से फिल्माया गया है। गाने का डायरेक्शन आज़ाद

हुसैन ने किया है। इस म्यूजिक वीडियो को आमिर शेख और ज़ोया ज़वेरी पे पिक्चराइज किया गया है। वीडियो की शुरुआत आमिर शेख की आवाज से होती है, फिर जावेद अली और साधना वर्मा की आवाज से गाने को उठान मिलती है। इस गाने का वीडियो बड़ी ही खूबसूरत लोकेशन्स पे शूट किया गया है, देख कर ऐसा लगता है जैसे यह किसी बड़ी फिल्म का गाना हो। आमिर शेख का लुक भी हमेश की तरह वीडियो में बहुत ही शानदार लग रहा है और ज़ोया ज़वेरी बहुत ही खूबसूरत और आकर्षक दिख रही हैं।

गौरतलब है कि जावेद अली बॉलीवुड के नामी सिंगर्स में से हैं, इन्होंने बॉलीवुड की बहुत बड़ी फिल्मो में सुपरहिट गाने गाए हैं, जैसे नकाब, गजनी, जोधा अकबर, युवराज, दिल्ली 6, रोबोट, रांझणा, दबंग 3 इत्यादि। जावेद अली सारे गामा और इंडियन आइडल शो में जज बनके भी आ चुके हैं।

साधना वर्मा का "यारा" बॉलीवुड में दूसरा गाना है। साधना वर्मा का पहला गाना था "अपनी कहानी" वो भी टी-सीरीज ने लॉन्च किया था। "अपनी कहानी" गाने को लोगो ने बहुत पसंद किया था। बॉलीवुड के दिग्गजो ने गाने को और साधना वर्मा की आवाज को बहुत सराहा। अपनी कहानी में साधना वर्मा के साथ शाहिद माल्या और आमिर शेख ने भी अपनी आवाज का जादू बिखेरा। इस गाने को मिलियन्स व्यूज भी मिले हैं।

साधना वर्मा का कहना है की फैमिली सपोर्ट और उनके पति संतोष वर्मा की वजह से वो आज यहां तक पहुंची हैं। वो अपने पति का जितना शुक्र अदा करे उतना कम है।

उल्लेखनीय है कि आमिर शेख बॉलीवुड के बहुत ही जाने माने अवार्ड विजेता साउंड इंजीनियर होने के साथ साथ बड़े अच्छे गायक भी हैं। आमिर शेख ने बॉलीवुड की बड़ी बड़ी फिल्मो के गानो की रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग और मास्टरिंग की है जैसे नमस्ते लंदन, बॉडीगार्ड, अपने, शाकालाका बूम बूम इत्यादि... आमिर शेख के सिंगर के रूप में भी बहुत से गाने टी-सीरीज, जी म्यूजिक, वीनस, वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स जैसी प्रसिद्ध म्यूज़िक कंपनियों से जारी किये गए हैं जिसमें वो बतौर एक्टर भी दिखाई दिए। ये पहला गाना है जिसमे जावेद अली की आवाज आमिर शेख पे फिल्माई गई है।

ज़ोया ज़वेरी "यारा" गीत करने से पहले भी काफ़ी काम कर चुकी हैं। ज़ोया ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग, रैंप शो, कैटलॉग शूट, प्रिंट शूट, कैलेंडर शूट से की। उसके बाद ज़ोया ने बतौर ऐक्ट्रेस एक म्यूज़िक वीडियो में अभिनय किया जो सोनी म्यूज़िक से रिलीज हुआ जिसका नाम "नई नई आशिकी" है। फिर जी म्यूजिक से "तेरा होने चला" गाना आया जिसको बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला। ज़ोया ने एक साउथ की फिल्म में और रेड प्राइम की वेब सीरीज में लीड रोल किया है जो बहुत जल्द रिलीज होगी।

इस म्यूजिक वीडियो को बनाने में पूरी टीम ने बहुत मेहनत की है। पूरी टीम की मेहनत अब रंग ला रही है जब सब लोग इस गाने की सराहना कर रहे हैं।

संजय लीला भंसाली की फिल्म 'बैजू बावरा' से बाहर हुए रणबीर कपूर!

काफी समय से खबरें थीं कि संजय लीला भंसाली अपनी अपकमिंग फिल्म 'बैजू बावरा' में रणबीर कपूर को फाइनल कर चुके हैं। लेकिन अब बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट की मानें तो फिल्म में बैजू बावरा का किरदार निभाने के लिए रणबीर कपूर काफी कंफ्यूजन में हैं और इस सिलसिले में उन्होंने भंसाली से मिल कर इसे नहीं करने की इच्छा जाहिर किया है।

याद दिला दें कि रणबीर ने अपना करियर, भंसाली की सांवरिया से शुरू किया। इससे पहले वो ब्लैक में संजय लीला भंसाली को असिस्ट कर चुके हैं।

फिल्म को लेकर रणबीर हुए कंफ्यूज्ड एक सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया, "रणबीर ने अपनी कंफ्यूजन भंसाली और टीम से पर्सनली मिलकर जाहिर किया है। रणबीर ने साफ कहा कि वह बैजू बावरा को लेकर श्योर नहीं हो पा रहे हैं। इसके अवाला वह धर्मा प्रोडक्शन के दूसरे प्रोजेक्ट को लेकर भी काफी कंफ्यूज्ड हैं। " रिपोर्ट के अनुसार, रणबीर भंसाली के साथ काम करने के इच्छुक नहीं है। इसका कारण फिल्म सांवरिया है।

इस फिल्म को लेकर रणबीर का भंसाली के साथ अच्छा एक्सपीरियंस नहीं है। तो ज्यादा संभावनाएं हैं कि रणबीर इस प्रोजेक्ट से बाहर हो सकते हैं, हालांकि कुछ भी पेपर पर लॉक नहीं हुआ था।

मंदिरा ने रुलाया

एक्ट्रेस मंदिरा बेदी इन दिनों बेहद दुखी हैं। मंदिरा बेदी के पति राज कौशल का पिछले महीने मुंबई में कार्डियक अरेस्ट के चलते निधन हो गया। पति के निधन के बाद मंदिरा एकदम टूटी हुई नजर आ रही हैं। दोनों का वर्षों पुराना साथ टूट जो गया। अपने दिवंगत पति को याद करके मंदिरा ने बीते मंगलवार को एक ट्वीट किया। मंदिरा बेदी ने अपनी पोस्ट में लिखा, मिस यू राज जी। एक पेपर पर अपनी हैंडराइटिंग में राज जी लिखकर मंदिरा ने पोस्ट पर शेयर किया। इस पोस्ट पर मंदिरा और राज के दोस्त व एक्टर आशीष चौधरी ने कमेंट करके लिखा, हमारे राजी। वहीं मौनी रॉय, अर्जुन बिजलानी से लेकर आशका गरोडिया समेत तमाम स्टार्स ने मंदिरा को हिम्मत दी। हाल में ही मौनी रॉय ने भी दोस्त मंदिरा के लिए स्पेशल पोस्ट शेयर किया था। मौनी ने मंदिरा संग तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था ये मेरी सबसे स्ट्रांग गर्ल है।

इस दिन सिनेमाघरों में धावा बोलेंगे Akshay Kumar !!

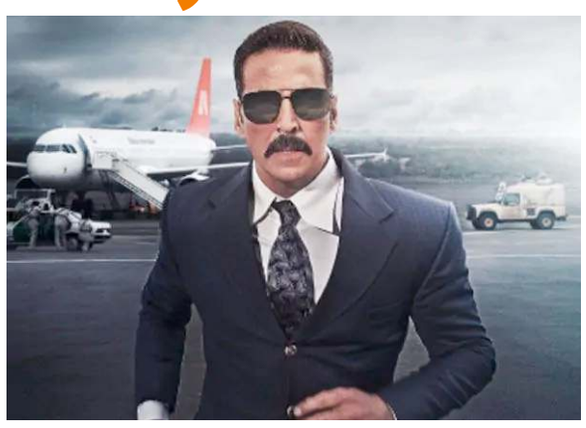

बॉलीवुड फिल्म स्टार अक्षय कुमार (Akshay Kumar) की स्पाई ड्रामा फिल्म बैल बॉटम को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। फिल्म को लेकर मेकर्स ने पहले ही ऐलान किया था कि ये फिल्म इसी साल 27 जुलाई को रिलीज होगी। हालांकि कोरोना वायरस की मार ने निर्माताओं के इस प्लान पर भी पानी फेर दिया। क्योंकि अभी तक सिनेमाघर नहीं खुल पा रहे हैं। इस बीच निर्माता फिल्म की अगली रिलीज की तारीख को लेकर प्लानिंग में जुट चुके हैं। इतना ही नहीं, दिलचस्प बात ये है कि फिल्म को थियेटर्स में लंबे वक्त बाद लौटे दर्शकों को 100 प्रतिशत संतुष्ट करने के लिए निर्माताओं ने एक बड़ा प्लान बनाया है। और Sooryavanshi से बॉक्स ऑफिस हिलाने को तैयार कटरीना कैफ के खाते में हैं ये 6 फिल्में

पिंकविला एंटरटेनमेंट पोर्ट्ल की एक रिपोर्ट की मानें तो फिल्म से जुडे करीबी सूत्र ने कहा है कि निर्माता इस फिल्म को 3डी में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। निर्माता चाहते हैं कि जब फिल्म देखने दर्शक थियेटर आएं तो ये फिल्म उनके उत्साह का लेवल कई गुणा बढ़ा दे। इसलिए फिल्म तकनीकी पहलुओं पर बहुत बारीकि से काम कर रही है। फिल्म के विजुएल से लेकर साउंड इफेक्ट्स और बैक ग्राउंड स्कोर को डॉलबाई साउंड में 3डी वर्जन के हिसाब से तैयार किया जा रहा है।

बदले-बदले से दिखे अजय देवगन, क्या अपकमिंग फिल्म के लिए अपना डैशिंग बीयर्ड लुक ?

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन बहुत कम ही अपने लुक को लेकर एक्सपेरिमेंट करते हैं। हालांकि जब भी वह अपने लुक में बदलाव करते हैं तो वो फैंस के बीच खलबली मचा दिया करते हैं। कुछ ऐसा एक बार अजय ने फिर किया है, जिसे देखने के बाद उनके चाहने वाले उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं और खूब प्यार लुटा रहे हैं। इनता ही नहीं सोशल मीडिया पर ये कयास लगने लगा है कि एक्टर ने अपना ये डैशिंग बीयर्ड लुक अपनी किसी प्रोजेक्ट के लिए अपनाया है।

सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हकीम शेयर किया अजय देवगन का लुक

दरअसल, सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हकीम ने अपने इंस्टाग्राम पर अजय की एक तस्वीर शेयर किया है। हकीम ने इस फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ' डेडली अजय देवगन का डेडली लुक है'।

यूनिक लुक में स्मार्ट लगे अजय देवगन

फोटो में अजय देवगन सफेद ट्रीम दाड़ी और एकदम सेट हेयरकट में दिख रहे हैं। फोटो में अजय बेहद कूल और यूनिक नजर आ रहे हैं। इस लुक में अजय स्मार्ट और परफेक्ट दिख रहे हैं। अजय ने अपने इस लुक से अपने चाहने वालों के बीच खलबली मचा दी है। क्या किसी प्रोजेक्ट के लिए अजय ने बदला अपना लुक?

अजय के इस बदले अंदाज को देखने के बाद सोशल मीडिया पर ये कयास लगने लगे हैं कि अजय ने अपना ये लुक अपनी अपकमिंग फिल्म 'थैंक गॉड' के लिए है। हालांकि कुछ रिपोर्ट का दावा है अजय ने ये लुक उनकी अपकमिंग वेब सीरीज 'रुद्र: द एज ऑफ़ डार्कनेस' के लिए अपनाया है।

रणवीर सिंह की जगह एक्टिंग कर चुके हैं मीजान जाफरी

फिल्म मलाल (Malaal) से बॉलीवुड डेब्यू करने वाले मीजान जाफरी (Meezaan Jaffrey) जल्दी ही फिल्म हंगामा 2 (Hungama 2) में नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज के पहले मीजान ने हिन्दुस्तान के साथ खुलकर बातचीत की। इस दौरान मीजान ने एक ओर जहां अपने बॉलीवुड डेब्यू की कहानी बताई तो वहीं रणवीर सिंह (Ranveer Singh) के बॉडी डबल की तरह काम करने का भी जिक्र किया।

आप फिल्मी बैकग्राउंड से ताल्लुक रखते हैं, ऐसे में आपने कब तय किया कि आपको भी अभिनेता बनना है?

मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी ये तय किया था कि मैं एक्टर बनूं, बचपन से मेरा ख्वाब था कि मैं म्यूजिक या स्पोर्ट्स में कुछ अचीव करूं। रैंडमली एक दिन संजय लीला भंसाली सर से मेरी मुलाकात हुई, फिर उन्होंने कहा कि वो मुझे लॉन्च करना चाहते हैं। इसके बाद मैंने सोचा कि मुझे किस्मत से इतना बड़ा मौका मिला है तो बेशक मुझे इसे अपना लेना चाहिए। बस फिर उस दिन के बाद से मैंने तय किया था कि बतौर एक्टर मुझे आगे बढ़ना है।

मुझे लगता है कि डर तो रहता ही है, क्योंकि लोगों की उम्मीदें रहती हैं। लेकिन प्रेशर नहीं रहा... मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं इस परिवार में पैदा हुआ। वहीं मुझे लगता है कि जीन्स (Genes) के साथ ही तालीम और इल्म मिला है। मेरी आशा और इच्छा हमेशा यही रहती है कि मैं हर फिल्म में अपना 100 प्रतिशत दूं। मलाल के बाद लोगों ने मेरा काम पसंद किया, अब हंगामा 2 आ रही है। मैं बस इंतजार कर रहा हूं कि लोग मेरा काम देखें और बताएं कि कैसा लगा काम।

मलाल, कैसी मिली... इसके पीछे की क्या कहानी है?

दरअसल मलाला में जो मेरी को-स्टार थीं शार्मिन सहगल, हम स्कूल में क्लासमेट्स थे, जिसके बाद मैं अमेरिका चला गया था पढ़ाई करने। तो गर्मियों की छुट्टी में जब मैं वापस भारत आया था तो उनका कॉल आया मेरे पास कि वो संजय लीला भंसाली सर को फिल्म बाजीराव मस्तानी फिल्म के लिए असिस्ट कर रही हैं।

दिशा ने रचाई शादी की मेहंदी

एक्ट्रेस दिशा परमार और बिग बॉस फेम राहुल वैद्य जल्द ही शादी के बंधन में बंधनेवाले हैं। इस कपल की शादी १६ जुलाई को होनेवाली शादी से पहले की रस्में शुरू हो गई हैं। १४ जुलाई को राहुल और दिशा परमार की मेहंदी का फंक्शन रखा गया था, जिसकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

अपनी मेहंदी में दिशा परमार ने हाथों में राहुल वैद्य के नाम की मेहंदी रचा ली। खास बात इस कपल ने मेहंदी की रस्म पूरी होने के बाद मीडिया के सामने आकर पोज भी दिए।

भोजपुरी सुपरस्टार रवि किशन करते हैं लाखों में कमाई

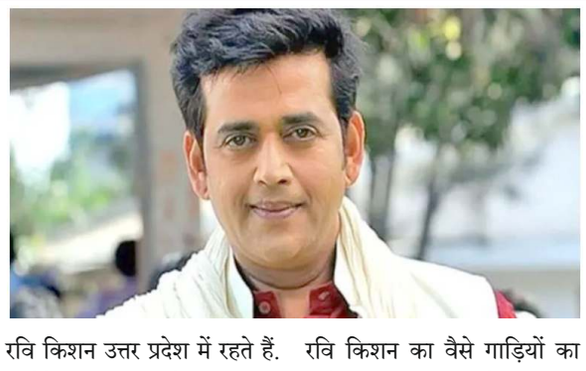

रवि किशन (Ravi Kishan) टैलेंटेड एक्टर्स में से एक हैं. उन्होंने बॉलीवुड और भोजपुरी इंडस्ट्री में खूब नाम कमाया है. वैसे नाम के अलावा रवि किशन ने पैसे भी अच्छे कमाए हैं. रवि किशन की नेटवर्थ पिछले कुछ सालों में 24 प्रतिशत तक बढ़ी है. उनकी ये कमाई सिर्फ एक्टिंग से नहीं बल्कि ब्रांड एंडोर्समेंट और पर्सनल इन्वेस्टमेंट से हो रही हैं. तो चलिए आज रवि किशन के बर्थडे के मौके पर बताते हैं आपको उनकी टोटल नेटवर्थ, महीने की सैलरी, घर और गाड़ियों के कलेक्शन के बारे में.

घर

रवि किशन उत्तर प्रदेश में रहते हैं. उन्होंने साल 2011 में लग्जरी घर खरीदा था जिसकी कीमत 72 लाख थी. इसके अलावा भी उनकी कई प्रॉपर्टीज हैं, लेकिन उनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है.

गाड़ियां

रवि किशन का वैसे गाड़ियों का कलेक्शन काफी कम है. हालांकि उसमें लग्जरी गाड़ी शामिल है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, रवि के पास मर्सिडीज बेन्ज और टोयोटा है.

एक्टर और नेता होने के अलावा रवि किशन के कई बिजनेस हैं. तो उनकी जो नेट वर्थ है वो हर साल बढ़ती ही जा रही है. वैसे बता दें कि रवि किशन चैरिटी भी खूब करते हैं. उनकी इनकम से बड़ा अमाउंट चैरिटी प्रोग्राम और कैम्पेन में जाता है.

इसके अलावा वह बड़ा अमाउंट टैक्स में भी देते हैं.

रवि किशन प्रोफेशनल लाइफ

रवि किशन ने साल 1992 में रिलीज हुई फिल्म 'पीतांबर' से फिल्मों की दुनिया में कदम रखा था. इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया और फिर 2003 में रवि किशन ने फिल्म 'सैयां हमार' से भोजपुरी इंडस्ट्री में कदम रखा था.

वीआर प्रौद्योगिकी की संभावना

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

वास्तुकला के बहुत कम संस्थान अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से लैस हैं जो कृत्रिम बुद्धि और आभासी वास्तविकता को संबोधित करने के लिए पाठ्यक्रम और वितरण विकसित करने के लिए आवश्यक हैं। आज सक्षम और विशेषज्ञों की मांग है। पेशेवर जो प्रौद्योगिकी से निपटने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण से लैस हैं। पैरामीट्रिक और एल्गोरिथम मॉडलिंग टूल के बाद से आर्किटेक्चरल डिज़ाइन प्रक्रिया को बदल दिया है। नई प्रौद्योगिकियां वास्तुशिल्प वैचारिक डिजाइन का समर्थन करती हैं, विश्लेषण करती हैं और विचारों को प्रस्तुत करती हैं। दो दशकों पहले, आर्किटेक्ट्स को डिजिटल टूल द्वारा डिज़ाइन प्रक्रिया के समर्थन को बढ़ाने की उम्मीद थी। कंप्यूटर को वास्तुकला के पेशे में इस उम्मीद के साथ पेश किया गया था कि वे वास्तुकारों को मुक्त कर देंगे सांसारिक, मैनुअल कार्य तथा साथ ही सूचना के प्रबंधन में सहायता। आज, निर्माण उद्योगों द्वारा कंप्यूटर एडेड डिज़ाइन (CAD) सॉफ़्टवेयर का उपयोग अब कोई नवीनता नहीं रह गया है। डिजिटल का विकास पैरामीट्रिक-एल्गोरिदमिक मॉडलिंग के लिए उपकरण

समकालीन वास्तुशिल्प डिजाइन और शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसी प्रौद्योगिकियां विकसित की गई हैं जो डिजिटल रूप से निर्मित संवेदी विसर्जन में मानव-कंप्यूटर संपर्क को सक्षम बनाती हैं। उनमें से, आभासी वास्तविकता (VR) अनुप्रयोग लोकप्रिय हैं जिनमें एक कंप्यूटर जनित छवि है। एक उपयोगकर्ता द्वारा अंतःक्रियात्मक रूप से नियंत्रित। आभासी वास्तविकता प्रौद्योगिकी तेजी से विकसित हो रही है - स्थिर दृश्यों से, 360° पैनोरमिक की प्रस्तुति के माध्यम से मापदंडों की प्रस्तुति के लिए विचार। विकास के बीच मिश्रित वास्तविकता (M R) तकनीक है जो डिजिटल को सक्षम करती है। जबकि VR तकनीक उपयोगकर्ताओं को अनुभव करने का अवसर प्रदान करती है। विज़ुअलाइज़ेशन के माध्यम से बनाया गया वातावरण, M R वास्तविक दुनिया पर डिजिटल डेटा को लागू करने में सक्षम बनाता है। संस्थान एकीकृत कार्यक्रम के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वर्चुअल रियलिटी की अवधारणाओं को पेश करने में और इसकी उपयोगिता प्रदर्शित करने में सक्षम हैं। अधिक विस्तृत जानकारी के लिए आप tsapmumbai.in जा सकते हैं।

मुंबई में हुआ डॉ. कृष्णा चौहान द्वारा लीजेंड दादासाहेब फालके अवॉर्ड 2021 का भव्य आयोजन

लीजेंड दादासाहेब फालके अवॉर्ड 2021 मे चंद्रशेखर पुसालकर, सुमन तलवार (साउथ), राहुल शेवाळे, अनु मलिक, अनूप जलोटा, मुकेश ऋषि जैसी हस्तिया मौजूद

बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड के फाउंडर डॉक्टर कृष्णा चौहान ने आज ११ जुलाई २०२१ को मेयर हॉल जूहू, मुम्बई में लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड २०२१ भव्य पैमाने पर आयोजित किया। इस अवार्ड फंक्शन में बहुत सारी सेलेब्रिटीज़ ने शिरकत की। दक्षिण मध्य मुंबई चेम्बूर से शिवसेना सांसद राहुल शेवाले यहां मुख्य अतिथि के रुप

निर्देशक हैं जो गोरखपुर यूपी के रहने वाले हैं और मुंबई में १८ वर्षों से रह रहे हैं। इन वर्षों में कृष्णा चौहान ने बॉलीवुड के कई मशहूर निर्देशकों को असिस्ट किया और आज कृष्णा चौहान किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। कृष्णा चौहान को आज पूरा बॉलीवुड जानता है।कृष्णा चौहान की एक हिंदी फिल्म "जीना नही तेरे बिना" रिलीज़ के लिए तैयार है। उनका एक हिंदी

छायाचित्र बी. के. ताम्बे

में मौजूद रहे। इस पुरस्कार समारोह में दादा साहेब फालके के ग्रैंडसन चंद्रशेखर पुसाल्कर भी चीफ गेस्ट के रूप में मौजूद थे। साथ ही मशहूर संगीतकार अनु मलिक, पद्मश्री अनूप जलोटा, गजेंद्र चौहान, मुकेश ऋषि, एक्टर सिद्धार्थ निगम, अरुण बख्शी, अनिल नागरथ, गीतकार सुधाकर शर्मा को भी इस पुरस्कार से नवाजा गया। इस अवार्ड फंक्शन के स्पेशल गेस्ट थे साउथ सिनेमा के मशहूर एक्टर सुमन तलवार जो खास तौर पर बेंगलुरू से मुम्बई आए थे। उन्होंने शिवाजी द बॉस और गब्बर इज़ बैक जैसी काफी फिल्मों में अपनी अदाकारी का जादू दिखाया है। सुमन तलवार जो भी पुरस्कार से सन्मानित किया. हिंदी और मराठी फिल्म उद्योग में उनके काम के लिए लीजेंड दादासाहेब फालके २०२१ पुरस्कार रमाकांत मुंडे को चंद्र शेखर पुसालकर (लेजेंड दादासाहेब फालके के पोते) द्वारा दिया गया और मुंबई तरंग के संपादक दिलीप पटेल ओर जामनगर की बेस्ट सिंगर चांदनी वेगड़ को भी अवॉर्ड दिया गया फोटोग्राफी के लिये राजेश कोरील को भी पुरस्कार से सन्मानिति कया या. इंटरनेशनल सेलेब्रिटी एंकर सिमरन आहूजा ने इस अवार्ड शो को होस्ट किया जबकि इंटरनेशनल परफॉर्मर शीरीन फरीद की स्टेज परफॉर्मेंस ने सबका दिल जीत लिया। उल्लेखनीय है कि केसीएफ प्रेजेंट्स लेजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड २०२१ इंडियन

सिनेमा का सबसे बड़ा पुरुस्कार है। आपको बता दें कि कृष्णा चौहान मुम्बई में लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड मई २०२१ में कराने वाले थे मगर कोरोना काल और लॉकडाउन की वजह से ये अवार्ड फंक्शन उस समय नहीं हो पाया। इसी लिए यह अवॉर्ड रविवार ११ जुलाई को शानदार ढंग से किया गया। कृष्णा चौहान की ओर से २६ दिसंबर २०२१ को बोलीवुड आइकोनिक अवार्ड २०२१ का आयोजन भी किया जाएगा। गौरतलब है कि कृष्णा चौहान इसी साल २८ फरवरी को बोलीवुड आइकोनिक अवार्ड २०२१ का सफल आयोजन करा चुके हैं।गौरतलब है कि कृष्णा चौहान का एनजीओ/ ट्रस्ट है जिसका नाम कृष्णा चौहान फाउंडेशन है। इस संस्था के अंतर्गत गरीबों और जरूरतमंदों में भोजन का वितरण और भगवतगीता का वितरण किया जाता है। कृष्णा चौहान खुद एक सामाजिक कार्यकर्ता है, जो लोगो की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।उल्लेखनीय है कि कृष्णा चौहान एक फिल्म एल्बम "ज़िक्र तेरा" भी रिलीज़ होने वाला है। उन्हें उनकी हिंदी शार्ट फिल्म के लिए बेस्ट निर्देशक का पुरस्कार भी मिल चुका है।कृष्णा चौहान आज जो भी हैं अपनी कड़ी मेहनत की वजह से हैं। बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के हाथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी करते रहते हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी संचालित करते हैं। कृष्णा चौहान एक ऐसी हस्ती का नाम है जिन्होंने अपने जन्मदिन पर लोगो में राशन किट बाटे। वह "कर भला तो हो भला" और "सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास" पर यकीन रखते हैं।

गायिका चांदनी वेगड़ का नया विडिओ एल्बम राधा रानी लागे रिलीज हुआ

"दवे डिज़िटल " कंपनी द्वारा गायिका चांदनी वेगड़ का नया विडिओ एल्बम " राधा रानी लागे " को है शनिवार १० जुलाई २०२१ को सभी डिज़िटल प्लेटफार्म पर रिलीज़ किया गया है। यह एक भक्ति गीत है, जोकि ये बड़े अनोखे ढंग से गाया गया है और बड़े ही बेहतरीन तरीके से पिक्चराया गया है। इसकी शूटिंग गुजरात के प्रसिद्ध यात्रधाम द्वारका के विभिन्न प्रसिद्ध स्थलों पर किया गया है। द्वारका श्री कृष्ण भगवानकी कर्मभूमि है। चांदनी वेगड़ का यह गीत सुनने पर छोटे बड़े सब लोग राधा कृष्ण के भक्ति भाव में लीन हो जायेंगे। इस विडिओ एल्बम के निर्माता जय दवे है, निर्देशक द्विज त्रिवेदी है और संगीत सुनील चावड़ा ने दिया है। चांदनी वेगड़ गुजरात जामनगर के रहनेवाले पूर्व सीनियर सिविल जज के.पी. वेगड़ की बेटी है। वेगड़ पहले

जामनगर में रहते थे,कुछ दिनों पहले राजकोट में शिफ्ट हुए है। चांदनी ने इस वर्ष दसवीं कक्षा की परीक्षा जामनगर की श्री सत्यसाई विद्यालय में पास किया हैं, और अब ग्याहवीं कक्षा के लिए राजकोट के राजकुमार कॉलेज (आर.के.सी.) में एडमिशन लिया है,वे गायन के साथ साथ पढाई को भी जारी रखना चाहती है। वे गुजरात राज्य में और मुंबई में कई शो में भी हिस्सा ले चुकी है।अपने एल्बम ,'राधा रानी लागे" के बारे में चांदनी वेगड़ कहती है," मैं ने हर तरह के गीत गाए है और गा सकती हूँ। यह भक्ति गीत बहुत अच्छा था और मुझे मौका मिला तो मैंने यह गाया। इसकी शूटिंग भी द्वारका में हुआ, जोकि यादगार रहेगी। उम्मीद करती हूँ, लोगो को यह पसंद आएगा। " वैसे, चांदनी ने 'हाई-स्पीड सिने इंटरनेशनल' बैनर तले बन रही एक हिंदी फीचर फिल्म " लिविंग रिलेशन " साइन किया है, जिसकी रिकॉर्डिंग करोना की वजह से नहीं हो पाई, लेकिन जल्द ही इसकी रिकॉर्डिंग मुंबई में होने वाली है।

महाराष्ट्र में 10वीं में 99.95% विद्यार्थी पास

कोरोना महामारी के कारण रद्द हुई थीं परीक्षाएं

मुंबई, महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल ने शुक्रवार को एसएससी (10वीं) के नतीजे जारी कर दिए। कोरोना महामारी के कारण एसएससी की परीक्षा रद्द हो गई थीं, इसलिए इंटरनल असेसमेंट के आधार पर रिजल्ट तैयार किया गया। इस बार 99.95 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए हैं। पिछले साल रिजल्ट 95.30 प्रतिशत रहा था। छात्रों के मुकाबले 0.2 प्रतिशत अधिक छात्राएं पास हुई हैं। स्कूलों की ऑनलाइन परीक्षा को हल्के में लेना 758 विद्यार्थियों को भारी पड़ गया है। स्कूल की परीक्षा में शामिल नहीं होने और अच्छा प्रदर्शन नहीं करने की वजह से 10वीं की परीक्षा में 758 विद्यार्थी फेल हो गए। नागपुर में सबसे

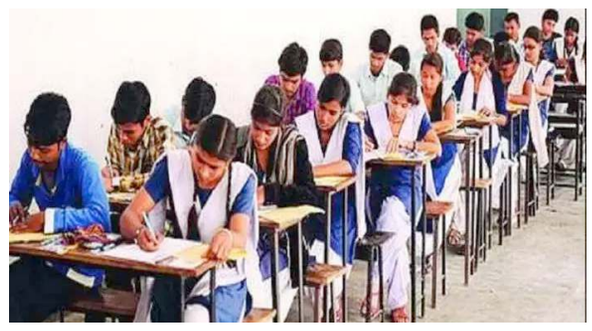

अधिक 242 विद्यार्थी फेल हुए।

रिचेकिंग का विकल्प नहीं

बोर्ड की लिखित परीक्षा नहीं होने की वजह से इस वर्ष विद्यार्थियों को रिचेकिंग की सुविधा नहीं मिलेगी। बोर्ड के अनुसार, 9वीं के रिजल्ट और 10वीं के इंटरनल मार्क्स के आधार पर रिजल्ट तैयार किया गया है। इसीलिए रिचेकिंग के साथ ही उत्तर पुस्तिकाओं की जेरॉक्स कॉपी लेने की सुविधा विद्यार्थियों को नहीं मिलेगी। बोर्ड ने दोपहर 1 बजे ऑनलाइन रिजल्ट जारी करने की घोषणा की थी। शुक्रवार देर शाम तक विद्यार्थी और स्कूल अपना रिजल्ट नहीं दे पाए। ऑनलाइन रिजल्ट घोषित होते ही कुछ ही मिनट में बोर्ड की साइट कैश हो गई।

KAANT FOODS®
Every Day... Every Time...
PREMIUM QUALITY
• Cholesterol Free
• 0% Trans Fat
• 100% Roasted
100% WHEAT MADE
KHAKHRA & BHAKHRI
Palak(Spinach), Kothamir(Coriander), Black Til, Moong Masala, Ratlami, Methi, Plain, Masala, Jira(Cumin), Manchuriyan, Phudina Panipuri(Mint), Pav Bhaji, Punjabi, Tomato, Cheese, Garlic, Chinese King, Meggi Masala, Chat Masala.
Manufactured By :
KAANT FOODS®
20, Sarvodaya Society, Nr. Umiya Dham Temple,
Surat - 395006, Gujarat, India. Mo. : +91 98257 70072
Web : www.kaantfoods.com
E-mail : kaantfoods@gmail.com
fssai
Lic No. 20718031001190

॥ શ્રી ગણેશાય નમઃ ॥ ॥ શ્રીપા ॥ ॥ જય ખોડીયાર માં ॥
Chintan Jiyani
99040 77991
Kishan Kyada
99040 77990
Jay Kuber
CONSULTANCY
➢ PERSONAL LOAN
➢ CONSUMER LOAN
➢ HOME LOAN
➢ MORTGAGE LOAN
➢ CAR LOAN
➢ MUDRA LOAN
➢ INSURANCE
➢ PANCARD
jaykuber1997@gmail.com
D-2080, 2nd Floor, Central Bazar, opp Varachha Police Station, Minibazar, Varachha, Surat

चुवाडिया कोली समाज की बेटी पूजा ने एम बी बी एस का अभ्यास पूरा किया और कोली समाज की बेटियों को आगे बढ़कर पढ़ने का लक्ष्य हासिल करने की हिम्मत दी परेशा कुटुम की बेटी पूजा को मुंबई तरंग परिवार की ओर से हार्दिक शुभेच्छा और प्रेस फोटोग्राफर **दिनेश भाई परेसा द्वारा शुभकामनाएं दी**

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।